दैनिक नवयत्न
केन्द्र व राज्य सरकार द्वारा विज्ञापनों के लिए स्वीकृत
RNI No. RAJHIN/2010/31619
Post.Reg No. sikar/041/2016-2018
खबरें सड़क से संसद तक
वर्षः 16 | अंक 357 | सीकर, सोमवार 23 फरवरी 2026 | Email : navyatndainik@gmail.com | मूल्य 1 रुपया | पृष्ठ 8

मन की बात : पीएम मोदी के देश को तीन मंत्र

टेक्नोलॉजी अपनाएं, ऑर्गन डोनेशन को बढ़ावा दें; साइबर क्राइम से सतर्क रहें

नई दिल्ली।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मन की बात के 131वें एपिसोड में देश को तीन मंत्र दिए। उन्होंने टेक्नोलॉजी, ऑर्गन डोनेशन और साइबर क्राइम पर बात की। इसके साथ ही उन्होंने होली और रमजान की शुभकामनाएं दीं।

पीएम मोदी ने कहा कि दिल्ली में ग्लोबल एआई इम्पेक्ट समिट के दौरान, कई देश के नेता, उद्योग जगत के लीडर्स, इनोवेटर, टेक कंपनी के दिग्गज जुटे।

उन्होंने कहा कि समिट में मैंने दुनिया के लीडर्स को बहुत सी चीजें दिखाई। एआई की मदद से प्राचीन ग्रंथों को, पांडुलिपि को संरक्षित कर रहे हैं। एग्जीविशन के दौरान सुश्रुत संहिता का डिस्प्ले किया गया। इसे पढ़ने लायक टेक्स्ट में बदला गया। भारतीय और विदेशी भाषाओं में इसे बदला जा सकता है। पीएम ने कहा- एआई समिट में भारत की ताकत दुनिया के सामने आई। युवाओं में टेक्नोलॉजी और इनोवेशन को लेकर उत्साह बढ़ रहा है। पीएम मोदी ने रमजान और होली को कहा कि रमजान का पवित्र महीना चल रहा है, होली का भी त्योहार आ रहा है। आप सभी को शुभकामनाएं। ये त्योहार खुशी के साथ अपने परिवार के साथ मनाएं।

टी20 वर्ल्ड कप पर कहा- कई देशों में भारतीय मूल के खिलाड़ी-पीएम ने कहा- टी20 वर्ल्ड कप में कई देशों में भारतीय मूल के खिलाड़ी हैं। वे दूसरे देश से इसलिए खेल रहे होते हैं क्योंकि उनका परिवार वहां बस चुका है। मोदी ने बताया कि कनाडा टीम के कप्तान का जन्म गुरदासपुर में हुआ था। ये कनाडा के साथ-साथ भारत का गौरव बढ़ा रहे हैं। अमेरिका टीम के कप्तान मोनांक पटेल गुजरात अंडर 16-18 के लिए भी खेल चुके हैं। ओमान, इटली, यूएई की भी टीम में भारतीय मूल के खिलाड़ी हैं।

पीएम बोले- देश में ऑर्गन डोनेशन की जरूरत-पीएम बोले- केरल में 10 महीने की बच्ची आलीन की मौत हो गई। उसके माता-पिता जिस पीड़ा से गुजर रहे होंगे उसे शब्दों में नहीं बताया जा सकता। माता-पिता ने आलीन के अंग दान का फैसला लिया। आलीन का नाम सबसे कम उम्र की ऑर्गन डोनेशन की लिस्ट में जुड़ गया है। देश में ऑर्गन डोनेशन की जरूरत है। पीएम ने कहा कि दिल्ली की लक्ष्मी देवी ने केदारनाथ की यात्रा हार्ट ट्रांसप्लांट के बाद की। उन्हें एक डोनर का हार्ट मिला, इससे लक्ष्मी की जिंदगी बदल गई।

पीएम ने डिजिटल अरेस्ट अवेयरनेस पर भी बात की

पीएम ने कहा कि डिजिटल अरेस्ट को लेकर समाज में जागरूकता तो आई, लेकिन अभी भी बहुत अवेयरनेस की जरूरत है। कई बार लोगों से ठगी हो जाती है। कोई फोन कर बोलता है कि 'मैं बड़ा अधिकारी हूं, डिटेल शेयर कीजिए' लोग इसमें फंस जाते हैं। उन्होंने कहा कि आप सभी को बैंक से केवाईसी, री-केवाईसी के मैसेज आते हैं। आज कल पेंशन, सब्सिटी, बीमा, यूपीआई सब कुछ बैंक खाते से जुड़ा है। इसलिए बैंक बीच-बीच में केवाईसी करते रहते हैं, री-केवाईसी करते रहते हैं। लेकिन हमें धोखेबाजों से बचकर रहना है।

'23 फरवरी को राजाजी उत्सव मनाया जाएगा'

पीएम मोदी ने कहा कि आज देश गुलामी के प्रतिकों को पीछे छोड़ रहा है। इस दिशा में हमारे राष्ट्रपति भवन में राजाजी उत्सव 23 फरवरी बनाया जाएगा। सी राजागोपालाचारी की प्रतिमा का अनावरण भी होगा। उन्होंने सत्ता को पद की तरह नहीं, सेवा की तरह देखा। उन्होंने बताया कि उनका जीवन हमें प्रेरित करता है। दुर्भाग्य से राष्ट्रपति भवन में ब्रीटिश शासकों की प्रतिमाएं लगी रहीं। अब उनकी जगह राजाजी की प्रतिमा लगाई जाएगी। ये प्रदर्नशी 24 फरवरी से 1 मार्च से लगेगी।

पीएम ने और क्या कहाज

हमारे किसान परंपरा-टेक्नॉलजी दोनों को साथ लेकर चल रहे हैं। गुणवत्ता, इनोवेशन पर ध्यान दे रहे हैं। करीब 8 साल पहले तक ओडिशा के किसान पारंपरिक ढंग से खेती करते थे, लेकिन अब उन्होंने मजबूत ढांचा बनाया, उस पर बेल वाली सब्जियां उगाई। केरल के एक किसान अपने खेत में 570 तरह की चावल की किस्म लगाते हैं। भारत 15 करोड़ टन चावल का उत्पादन कर रहा है। कृषि उत्पाद हवाई मार्ग से विदेश भेजे जा रहे हैं। भारत 15 करोड़ टन चावल का उत्पादन कर रहा है। मैसूरू के पान के पत्ते मालद्वीव भेजे रहे हैं। इन्हें तद्ध टैग मिला है।

खाटूधाम फाल्गुनी लक्खी मेला

108 प्रकार के फूलों से सजा खाटूश्याम दरबार, 20 फीट ऊंचा डमरू आकर्षण का केंद्र

जयकारों से गूंजा खाटूधाम, लाखों श्रद्धालु दर्शन को उमड़े

प्रदीप सैनी

सीकर (नवयत्न)। विश्व प्रसिद्ध बाबा श्याम शीश के दानी की जय, हारें के सहारे की जय और खाटू नरेश की जय के जयकारों से खाटूश्यामजी धाम भक्तिमय हो उठा है। बाबा श्याम के आठ दिवसीय वार्षिक लक्खी फाल्गुनी मेले के दूसरे दिन देशभर से आए लाखों श्रद्धालु बाबा श्याम के दीदार को आतुर नजर आए।रींगस से पदयात्रा करते श्याम भक्त चंग की थाप पर नाचते-गाते, गुलाल उड़ाते हुए हाथों में निशान लेकर मंदिर पहुंचे और मत्था टेककर मन्नतें मांगी। मुख्य मेला एकादशी, 27 फरवरी को भरेगा, जिसको लेकर श्री श्याम मंदिर कमेटी ने मंदिर परिसर को भव्य व आकर्षक रूप से सजाया है। प्रशासन द्वारा किए गए नवाचारों से दर्शन व्यवस्था सुगम हुई है, जिससे श्रद्धालुओं को कम समय में दर्शन हो रहे हैं। जिला कलेक्टर मुकुल शर्मा व एसपी प्रवीण नायक नूनावत लगातार व्यवस्थाओं पर नजर बनाए हुए हैं। मेला मजिस्ट्रेट मोनिका सामोर ने बताया कि प्रशासन शांतिपूर्ण व सुरक्षित दर्शन के लिए तत्पर है। बाजारों में रौनक है, प्रसाद व धार्मिक वस्तुओं की दुकानों के साथ पदयात्रियों की सेवा के लिए भंडारे भी शुरू हो चुके हैं। बाबा खाटूश्याम के फाल्गुनी लक्खी मेले के दूसरे दिन रविवार को श्याम बाबा का बंगाल से आए गुलाबी फूलों से विशेष श्रृंगार किया गया। 108 तरह के फूलों से दरबार को सजाया गया है। मंदिर के मुख्य द्वार पर भी करीब 20 फीट ऊंचा डमरू बनाया गया है। मंदिर परिसर को लाल और पीले कपड़ों से सजाया गया है। इधर, रींगस से खाटू तक श्रद्धालुओं की लाइनें आगे लगी हैं।

हरियाणा, दिल्ली, उत्तर प्रदेश से पहुंचे रहे हैं श्रद्धालु

राजस्थान के अलावा हरियाणा, दिल्ली, उत्तर प्रदेश और मध्यप्रदेश से बड़ी संख्या में भक्त निशान लेकर पहुंच रहे हैं। जयकारों के साथ ढोल पर नाचते-गाते पहुंचते भक्तों से मेले में रौनक शुरु हो गई।

मेले की शुरुआत के साथ ही खाटूश्यामजी में भंडारों व सेवा शिविर भी लगना शुरू हो गए हैं। रींगस खाटू पदयात्रा मार्ग सहित पूरी खाटू नगरी में दर्जनों शिविर ओर भंडारे लगे हुए हैं। मेला परवान चढ़ने के साथ इनकी संख्या 500 से ज्यादा होने की संभावना है।

भगवान श्रीकृष्ण की करीब 10 फीट की मूर्ति भी लगाई गई

प्रशासन ने भी अपनी तैयारियों को पुख्ता किया है। इस बार बाबा श्याम का यह मेला आठ दिन का होगा। इसमें सुबह मंदिर के पट खुलने के बाद से बाबा श्याम रोजाना नए श्रृंगार के साथ अपने भक्तों को लगातार दर्शन देंगे। देश- विदेश के 108 तरह के फूलों से सजाया गया है। मंदिर के मुख्य द्वार पर भी करीब 20 फीट ऊंचा डमरू बनाया गया है। इसके अलावा भोलेनाथ के 12 ज्योतिर्लिंगों को जगह दी गई है। इसके अलावा, दरबार में भगवान श्रीकृष्ण की करीब 10 फीट की मूर्ति भी लगाई गई है। मूर्ति में श्रीकृष्ण बांसुरी बजाते नजर आ रहे हैं। हरे, लाल व नीले रंग में मोतियों वाले मुकुट और गले में वैजयंती माला पहने हैं।

हजारों श्रद्धालुओं के साथ खाटू के लिए रवाना सूरजगढ़ का ऐतिहासिक श्याम निशान

चार दिन के पड़ाव के बाद निशान पहुंचेगा खाटूधाम

निसं

सूरजगढ़ (नवयत्न)। श्री श्याम दरबार मंदिर से भगत हजारी लाल इंदोरिया के सानिध्य में हजारों श्रद्धालुओं के साथ सूरजगढ़ निशान की 378वीं विशाल पदयात्रा शुरू हुई। पदयात्रा चार दिन के पड़ाव के बाद खाटूधाम पहुंचेगी जहां पर दो दिन के विश्राम के बाद निशान खाटू मंदिर के शिखर बंद पर अर्पित होगा। रविवार सुबह सवा 11 बजे विशेष पूजा अर्चना के बाद खाटू मंदिर से पधारे महंत श्याम सिंह चौहान ने यात्रा का शुभारंभ किया। मंदिर परिसर में ड्रोन द्वारा निशान पर पुष्प वर्षा की गई। निशानधारी विष्णु

सैनी ने मंदिर से निशान उठाया। पदयात्रा में भारी संख्या में श्रद्धालु मौजूद होने के कारण मैन बाजार से निकलते निकलते घंटों लग जाते है। कस्बे में जगह-जगह श्रद्धालुओं द्वारा निशान की पूजा अर्चना व स्वागत किया गया। इस दौरान भगत ओमप्रकाश सैनी, कुरड़ाराम सैनी, रुक्मानंद सैनी, रामनिवास सैनी, बाबुलाल सैनी, कृष्ण कुमार सैनी सहित भक्त मौजद थे।

सैंकड़ों महिलाएं चलती है जलती सिगड़ी लेकर

मंदिर से सबसे पहले भी बालाजी महाराज का निशान रवाना होता है जो श्याम निशान की अगवानी करता है। तत्पश्चात सैंकड़ों महिलाएं जलती सिगड़ी सिर पर रखकर रवाना होती है जो चार दिन की पदयात्रा में निशान के आगे आगे चलती है। श्रद्धालुओं की मन्नत पूरी होने के बाद महिलाएं सिगड़ी लेकर बाबा के धाम पहुंचती है।

चार दिन के पड़ाव के बाद निशान पहुंचेगा खाटूधाम

निशान पदयात्रा चार दिन के पड़ाव के बाद खाटूधाम पहुंचेगी पहला पड़ाव सुलताना होगा, दूसरे दिन का रात्री विश्राम गुढ़ागौड़जी में होगा तीसरे दिन निशान रात्री में गुरारा पहुंचेगा जहां पर रात्री विश्राम के बाद चौथे दिन निशान खाटू में प्रवेश करेगा। खाटू पहुंचने पर श्रद्धालु निशान का भव्य स्वागत करके उसे सूरजगढ़ धर्मशाला तक लेकर जाऐंगे। सूरजगढ़ धर्मशाला पहुंचने पर श्रद्धालु दो दिन विश्राम करेगें जहां रात्री में निशान की पूजा अर्चना व प्रसिद्ध गायक कलाकारों द्वारा भजन संध्या का आयोजन किया जायेगा। फाल्गुन मास की द्वादशी को निशान को खाटू मंदिर के शिखर बंद पर चढ़ाया जायेगा जो वर्ष भर तक मंदिर पर फहरेगा।

झुंझुनू में डॉक्टरों का आज से अन्न त्याग, प्राचार्य से टकराव तेज

संजय सोनी

झुंझुनू (नवयत्न)। मेडिकल कॉलेज प्राचार्य डॉ राकेश साबू के खिलाफ झुंझुनूं जिले के चिकित्सकों का विरोध लगातार तेज होता जा रहा है। रविवार को प्राचार्य के रवैये से आहत बर्खास्त चिकित्सकों ने सोमवार से अन्न त्याग का संकल्प लिया है, वहीं जिलेभर के करीब 400 चिकित्सकों ने एकजुटता दिखाते हुए काली पट्टी बांधकर विरोध प्रदर्शन किया। जिले के सबसे बड़े राजकीय अस्पताल झुंझुनू के 75 चिकित्सकों ने अस्पताल के मुख्य द्वार पर काली पट्टी बांधकर प्रदर्शन किया और पिछले छह माह में छह चिकित्सकों को बर्खास्त किए जाने के निर्णय का विरोध जताया। चिकित्सकों ने प्राचार्य के रवैये की कड़ी भर्त्सना करते हुए इसे तानाशाही और दमनात्मक बताया। अरिसदा अध्यक्ष डॉ एस.ए. जब्बार के नेतृत्व और महासचिव डॉ राजेंद्र ढाका की अध्यक्षता में रविवार को जीबीएम आयोजित की गई, जिसमें पीएचसी, सीएचसी, उपजिला अस्पताल और जिला अस्पताल सहित जिले के 175 चिकित्सा संस्थानों में कार्यरत लगभग 400 चिकित्सकों ने आंदोलन तेज करने का निर्णय लिया। बैठक में 25 फरवरी से प्रतिदिन दो घंटे का कार्य बहिष्कार करने का फैसला किया गया है। हालांकि इस दौरान आपातकालीन सेवाएं जारी रहेंगी। अरिसदा प्रवक्ता डॉ विजय झाझड़िया ने बताया कि मेडिकल कॉलेज में बिना किसी अतिरिक्त मानदेय के शिक्षण कार्य कर रहे चिकित्सकों को बर्खास्त करना प्राचार्य के अधिकार क्षेत्र से परे है और यह दमनात्मक कार्रवाई है। उन्होंने कहा कि पहले से चिकित्सकों की कमी से जूझ रहे मेडिकल कॉलेज में इस तरह के फैसलों से चिकित्सा व्यवस्था प्रभावित हो रही है और चिकित्सकों में आक्रोश व्याप्त है। बर्खास्त चिकित्सकों ने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में इस प्रकार की कार्रवाई से वे अपमानित और आहत महसूस कर रहे हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि जब तक उचित कार्रवाई नहीं होती, उनका अन्न त्याग जारी रहेगा। विरोध प्रदर्शन में डॉ राजेंद्र ढाका, डॉ श्रीराम दुलड़, डॉ अनिता गुप्ता, डॉ शीशराम गोठवाल, डॉ पुष्पा रावत, डॉ राजेंद्र पायल, डॉ जगदेव सिंह, डॉ सिद्धार्थ शर्मा, डॉ मधु तंवर, डॉ विनिता मोर, डॉ आकांक्षा, डॉ मनीषा चौधरी, डॉ श्वेता, डॉ दीपक देवठिया, डॉ सपना झाझड़िया, डॉ राहुल सोनी, डॉ गौरव बूरी, डॉ ईकराज अहमद, डॉ दुष्यंत बसेरा, डॉ प्रियंका कस्वा, डॉ सुरेश मील, डॉ नेमीचंद, डॉ संदीप नेमीवाल, डॉ प्रमोद तेतरवाल, डॉ प्यारेलाल भालोठिया, डॉ विजेंद्र ज्याणी, डॉ अरविंद जाखड़, डॉ नवीन, डॉ कपूर थालौर, डॉ पूनम चौधरी, डॉ नरेंद्र काजला सहित बड़ी संख्या में चिकित्सक मौजूद रहे। चिकित्सकों ने स्पष्ट किया कि उनकी मांगों पर जल्द कार्रवाई नहीं होने पर आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

पीएम मोदी ने संसद में कुर्सी घेरने पर चुप्पी तोड़ी

कांग्रेस से बोले- महिला सांसदों को भेजकर, सीट पर कब्जा करके प्रधानमंत्री नहीं बन सकते

उत्तर प्रदेश।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 17 दिन पहले लोकसभा में कांग्रेस की महिला सांसदों के प्रदर्शन पर चुप्पी तोड़ी है। पीएम ने रविवार को मेरठ में कहा, कुर्सी पर बैठने से पहले जनता का दिल जीतना पड़ता है। उन्होंने आरोप लगाया कि महिला सांसदों को आगे कर सीट पर कब्जा कर प्रधानमंत्री नहीं बना जा सकता।

पीएम मोदी ने कांग्रेस से सवाल पूछा- क्या आप इतने खोखले हो गए हैं कि माताओं-बहनों को इसके लिए आगे कर रहे हो पीएम ने आगे कहा, कांग्रेस देश के लिए बोझ बन गई है और उसकी राजनीति जनभावनाओं से कट चुकी है।

पीएम मोदी बोले- कांग्रेस देश के लिए बोझ बन गई है

पीएम मोदी ने कहा, कांग्रेस के बेलगाम नेता देश को तबाह करने पर तुले हुए हैं। अगर आपको प्रधानमंत्री की कुर्सी पर बैठना है, तो पहले आपको जनता के दिल जीतने पड़ेंगे। महिला सांसदों को भेज कर, सीट पर कब्जा करके आप प्रधानमंत्री नहीं बन सकते हो। क्या आप लोग इतने खोखले हो गए हो कि माताओं-बहनों को इसके लिए आगे कर रहे हो

अमिताभ बच्चन को पहला साउथ फिल्मफेयर अवॉर्ड मिला

कल्कि के लिए बेस्ट सपोर्टिंग एक्टर चुने गए, प्रभाष स्टारर इस फिल्म में अश्वस्थामा बने

कोच्चि। 70वें साउथ फिल्मफेयर अवॉर्ड्स का आयोजन शनिवार को केरल के कोच्चि में हुआ। इस दौरान अमिताभ बच्चन को फिल्म कल्कि 2898- ष्ठ के लिए बेस्ट सपोर्टिंग एक्टर मेल (तेलुगु) का अवॉर्ड दिया गया। यह उनका पहला साउथ फिल्मफेयर अवॉर्ड है। प्रभास स्टारर फिल्म में अमिताभ बच्चन ने अश्वत्थामा का रोल निभाया था। इस सेरेमनी में तेलुगु, तमिल, मलयालम और कन्नड़ फिल्म इंडस्ट्री की बेहतरीन फिल्मों और कलाकारों को सम्मानित किया गया। फिल्म पुष्पा 2 ने तेलुगु कैटेगरी में पांच अवॉर्ड जीते, जिनमें बेस्ट फिल्म, बेस्ट डायरेक्टर (सुकुमार) और बेस्ट एक्टर (अल्लू अर्जुन) शामिल रहे। तमिल कैटेगरी में फिल्म अमरन ने सात अवॉर्ड अपने नाम किए, जिनमें बेस्ट फिल्म, बेस्ट एक्टर (सिवकार्तिकेयन) और बेस्ट एक्ट्रेस (साई पल्लवी) शामिल हैं। मलयालम सिनेमा से सुपरस्टार ममूटी को ब्रमायुगम के लिए बेस्ट एक्टर चुना गया।

जिम का हुआ उद्घाटन

निसं

खेतड़ी नगर (नवयत्न)। सेफरागुवार गांव में रविवार को नव स्थापित जिम का विधिवत उद्घाटन समाजसेवी एवं खेतड़ी विधायक प्रत्याशी मनोज घुमरिया ने फीता काटकर किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक प्रत्याशी मनोज घुमरिया थे जबकि अध्यक्षता रणवीर बोराण ने की। मुख्य अतिथि मनोज घुमरिया ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि आज के दौर में स्वस्थ शरीर ही सबसे बड़ी पूंजी है। ग्रामीण क्षेत्रों में भी अब युवाओं को आधुनिक सुविधाएं मिलनी चाहिए, ताकि वे शारीरिक रूप से मजबूत बनकर खेल, सेना, पुलिस व अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं में बेहतर प्रदर्शन कर सकें। उन्होंने कहा कि जिम जैसी सुविधाएं न केवल युवाओं को नशे से दूर रखेंगी, बल्कि उनमें अनुशासन और आत्मविश्वास भी बढ़ाएंगी। घुमरिया ने कहा कि गांवों के विकास के साथ-साथ युवाओं के स्वास्थ्य पर ध्यान देना भी जरूरी है। उन्होंने जिम संचालकों को शुभकामनाएं देते हुए आशा व्यक्त की कि यह जिम क्षेत्र के युवाओं के लिए लाभकारी सिद्ध होगा। कार्यक्रम में ओमप्रकाश बोराण, सभाचंद जाखड़, ओमप्रकाश जाखड़, संजय, पूर्व सरपंच भगवान सिंह, सतवीर, हजारी मीणा, सोहन, मुकेश सोनी, भूपेंद्र शर्मा, सुरताराम, नवल, कैप्टन शीशराम चौधरी, रामवतार बोराण, छाजूराम यादव, नेकीराम बोराण सहित अनेक ग्रामीण मौजूद रहे।

अष्टविनायक मंदिर का स्थापना दिवस मनाया

निसं

डूंडलोद (नवयत्न)। अष्टविनायक मंदिर का रविवार को स्थापना दिवस मनाया गया। अष्टविनायको का अलौकिक श्रृंगार किया गया किया। मंदिर परिसर को रंग बिरंगे फुलो एवं रोशनी से विशेष सजावट की गई। मंदिर पुजारी रामजी शर्मा के आचार्यत्व मे पंडित रविकांत शर्मा, पंडित शम्बू दयाल शर्मा ने वैदिक मंत्रोचारण के साथ अष्टविनायको का अभिषेक करवाया गया जिसमें मंदिर ट्रस्टी अनु अनिल अग्रवाल लुहारुका व शारदा लुहारुका बतौर यजमान पूजा अर्चना मे हिस्सा लिया। मंदिर परिसर में विश्व शांति के लिए हवन हुआ जिसमें आहुति दी गई। शाम को महाआरती कर श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरण किया गया। इस अवसर पर ट्रस्टी अन्नू अनिल अग्रवाल, दीपिका अग्रवाल, सुमन प्रदीप अग्रवाल, मोना सुनील अग्रवाल, वीना नरेंद्र झुनुवाला, उमेद खाजपुरिया, अजीत रानसरिया, एडवोकेट अश्वनी महर्षि सहित बड़ी संख्या मे श्रद्धालु जन मौजूद रहे।

आदिवासी मीणा सेवा संस्थान की बैठक आयोजित

निसं

उदयपुरवाटी (नवयत्न)। निकटवर्ती टोड़ी में श्री बन्ना राम मीणा स्मृति आदिवासी मीणा सेवा संस्थान की कार्यकारिणी की बैठक रविवार को मीणा छात्रावास टोड़ी में आयोजित हुई। मीणा समाज की बैठक संस्थान के अध्यक्ष रामचंद्र मीणा शीतल की अध्यक्षता में आयोजित हुई। संस्थान के सचिव रतन मीणा जोधपुरा ने मीणा छात्रावास में गुणात्मक पूर्वक कार्य करने का प्रस्ताव लिया तथा छात्रावास में निर्मित कमरो, बरामदा, बाथरूम, टॉयलेट आदि की शीघ्र ही मेंटेनेंस करवाने का निर्णय लिया गया। साथ ही छात्रावास में पढ़ने वाले विद्यार्थियों के लिए टेबल, कुर्सी की आवश्यकता को भी सुनिश्चित किया गया। इस दौरान रामचंद्र मीणा शीतल, रतन मीणा जोधपुरा, होशियार मीणा बामलास, धर्मपाल मीना शीतल, जगदीश मीना टोडी, सुमेर मीणा उदयपुरवाटी, रोहतास मीना भोड़की सहित आदि थे।

नवनियुक्त राष्ट्रीय अध्यक्ष जाखड़ 28 को करेंगे पदभार ग्रहण

निसं

जयपुर (नवयत्न)। कांग्रेस के छात्र संगठन नेशनल स्टूडेंट्स यूनियन ऑफ इंडिया एनएसयूआई के नवनियुक्त राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री विनोद जाखड़ 28 फरवरी 2026 को विधिवत रूप से अपना पदभार ग्रहण करेंगे। इस अवसर पर भव्य पदभार ग्रहण समारोह का आयोजन एनएसयूआई के राष्ट्रीय कार्यालय रायसीना रोड नई दिल्ली में किया जाएगा। समारोह में संगठन के राष्ट्रीय पदाधिकारी, विभिन्न प्रकोष्ठों के प्रतिनिधि तथा देशभर से आए कार्यकर्ता उपस्थित रहेंगे। विशेष रूप से राजस्थान सहित अनेक राज्यों के वरिष्ठ नेता कार्यक्रम में शिरकत करेंगे।

चिकित्सा शिविर आयोजि

निसं

मुकुंदढ़ (नवयत्न)। चूड़ी अजीतगढ़ में करणपाल सिंह गोपी सिंह के सौजन्य से रामलीला मैदान मे आयुर्वेदिक चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का विधिवत शुभारंभ किया गया स शिविर मे डॉक्टर शुभम मीणा एवं डॉ बृजेश मीणा नवलगढ़ ने अपनी सेवाएं दी। शिविर में 125 रोगियों का निशुल्क उपचार किया गया स इस अवसर पर कैप्टन किशोर सिंह, भंवर सिंह पटवारी, महावीर सिंह, कृष्ण सिंह, राजकुमार मनिका, नरोत्तम सिंह, श्यामसुंदर जांगिड़, साकेत शर्मा, परमवीर सिंह, सुरजीत सिंह, हरिप्रसाद टेलर, भंवर सिंह, विनोद रावण, दनेश सिंह, मुकेश स्वामी, जय राम सिंह, रणवीर सिंह, मगन टेलर सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

वी.पी.एल. करियर इंस्टीट्यूट का हुआ उद्घाटन

संजय सोनी

झुंझुनू (नवयत्न)। स्थानीय गणपति नगर स्थित वी.पी.एल. करियर इंस्टीट्यूट का भव्य उद्घाटन समारोह का विधिवत शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राजेन्द्र सिंह भाम्बू, विधायक, झुंझुनूं थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता शुभकरण चौधरी पूर्व विधायक, उदयपुरवाटी एवं के.डी. बाबर पूर्व विधायक, लक्ष्मणगढ़ ने की। कार्यक्रम का श्री गणेश इंस्टीट्यूट भवन लोकापर्ण व फीता रसम के साथ हुआ।

अतिथियों द्वारा विद्या की देवी मां सरस्वती को दीप प्रज्ज्वलन व माल्यापर्ण के साथ स्वागत गान हुआ। ढूकिया परिवार ने अतिथियों का साफा पहनाकर, शॉल ओढाकर माल्यापर्ण के साथ प्रतीक चिन्ह् भेट किये। मुख्य अतिथि झुंझुनू विधायक राजेन्द्र भाम्बू ने उद्घाटन समारोह के अवसर पर अपने उद्बोधन में संस्था को आईआईटी-जेईई, नीट एवं फाउण्डेशन के लिए मील का पत्थर बनने व बनाने का विश्वास दिलाया, उन्होनें कहा कि ढूकिया परिवार की शिक्षा के क्षेत्र में जिले में बड़ी पहचान रही है, उसी क्रम में यहां संस्थान आने वाले समय में अपनी गुणवता को साबित करेगा। विशिष्ट अतिथि के.डी. बाबर पूर्व विधायक लक्ष्मणगढ़ ने बताया की न्यू राजस्थान एज्यूकेशन हब ने हमेशा राज्य स्तर पर शिक्षा की अलख जगाकर समाज को नया संदेश दिया है। पूर्व विधायक उदयपुटी शुभकरण चौधरी ने वीपीएल करियर इंस्टीट्यूट को शिक्षा के क्षेत्र में जिला मुख्यालय पर एक बड़ी पहल बताया है, उन्होंने कहा कि झुंझुनू के विद्यार्थियों को कोटा व सीकर से बेहतर अध्ययन सुविधा, शिक्षा व संस्कार एक छत के नीचे मिलेंगे।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि विधायक भाम्बू ने वीपीएल करियर इंस्टीट्यूट की वेबसाईट बटन दबाकर लान्च की।

संस्था फाउन्डर इंजी प्यारेलाल ढूकिया ने बताया कि शिक्षा के क्षेत्र में एक नई पहल करते हुए वी.पी.एल. करियर इंस्टीट्यूट में अनुभवी फैकल्टीज् की टीम द्वारा विद्यार्थियों को आईआईटी-जेईई, नीट एवं फाउण्डेशन की विशेष तैयारी करवाई जायेगी, इसके साथ ही यहां स्मार्ट क्लास, नियमित टेस्ट सीरिज, व्यक्तिगत मार्गदर्शन तथा करियर काउंसलिंग जैसी सुविधाऐं हर वक्त उपलब्ध रहेगी, जिससे विद्यार्थियों को बेहतर परिणाम प्राप्त करने में सहायता मिलेगी। कार्यक्रम में जिले भर से पधारे संस्था प्रधानाचार्यगण एवं संस्था निदेशकगण का सम्मान किया गया। इस अवसर पर अतिथियों दयानन्द ढूकिया, रणजीत ढूकिया, लालचन्द ढूकिया, संस्था संरक्षिका विनोद ढूकिया, सुन्दर ढूकिया, इन्दिरा ढूकिया, डॉ. संदीप ढूकिया, सुनिता ढूकिया, सचिव इंजी. पीयूष ढूकिया, सहायक अभियन्ता ज्योति, मधुर ढूकिया, मनवे मांजु, नागरमल तेतरवाल, विश्मभर पूनियां, विमला चौधरी, लिलाधर डूडी, नौरंगलाल चौधरी, पूर्व प्रधान गिरधारी लाल खीचड़, सरोज श्योराण, कमलकान्त शर्मा, गणेश चेत्यन्य महाराज, सोमनाथ महाराज, ओमनाथ महाराज, रामावतार लोयल, प्रहलाद जाखड़, मान महेन्द्र सिंह भाटी, महेश बिशु, पवन धौलपुरियां, मुकेश दूत, दिनेश कुलहरी, अजय रांगेरा, अमित व्यास, मोहनलाल सैनी, कपिलेश शर्मा, जय सिंह माठ, अनिल खीचड़, प्रेम कस्वां, कृष्ण कुमार जानू, नरेन्द्र झाझड़िया, रविन्द्र शेखावत, नरेन्द्र शेखावत, विलास सैनी, सुरेश कुमार, चन्दु शर्मा, महेन्द्र गढवाल, जोधराज जानू, हरलाल मोगा, अयूब खान, राकेश झाझड़िया, सुरेन्द्र शर्मा, शिव करण जानू, प्रवीण कृष्णियां, राजेश कोठारी, पवन केडिया, इकबाल लालपूरियां, नरेन्द्र कुमार जांगिड़, शौकत अली, हरिसिंह कुलहरी, मुस्ताक अली, जगदीश सिंह, धड़सीराम सैनी, सत्यदेव दड़िया, अजय प्रेमी, सुरेश थाकन, प्रदीप ईश्रवाल, कैलाश भालोठिया, अमित इन्दौरिया, सागरमल भूकल, प्रमोद बुड़ानियां, अम्मीलाल मौगा, बनवारी लाल मौगा, ईश्वर लाल जांगिड़, भगवान सिंह पूनियां, कुकड़ शाहब, सुरेश थाकन, महावीर पंधाल, संजय जाखल, जय प्रकाश कुल्हरी, वर्षा सौमरा, धड़सीराम भालोठिया राधेश्याम सैनी, योगेन्द्र सिंह, राजकमल कटारियां, राकेश सिहाग, मनफुल बाबल, संजय धायल, पंकज गुर्जर, चन्द्र प्रकाश शुक्ला, मदन प्रेमी, कमल कुल्हरी, संदीप कुमार, अमित कुमार, जय प्रकाश महला, बीरबल सिंह, मनोज शर्मा, सुरेन्द्र चारण, चिरंजी लाल चौमाल, अरूण कौशिक, भंवर निवार्ण, विजय गोपाल, ताराचन्द गुप्ता, भागीरथमल पूनियां, गुलझारी लाल कालेर, सुनिल चौमाल, विद्याधर डूडी, मूलचन्द्र झाझड़िया, संदीप शर्मा, संजय परिहार, संजीव कुल्हरी, कैप्टन यूनूश खान, सज्जन लाल चुड़ी, पूर्व सरपंच औंकारमल, समाज सेवी मोहन लाल सहित प्रधानाचार्यगण संस्था निदेशक, प्रधानाचार्य, अध्यापकगण, अभिभावकगण व छात्र-छात्राऐं एवं संस्था स्टाफ सहित स्थानीय नागरिकों उपस्थित रहे। सचिव इंजी. पीयूष ढूकिया ने सबका धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर अल्ट्रा बिस्ट राजस्थानी लोक कलाकारों की पार्टी एवं अन्तर्राष्ट्रीय हास्य हरिश हिन्दुस्तानी ने अनेक हास्य प्रस्तुतियां दी। कार्यक्रम का मंच संचालन मंगलाराम जांगिड व सुधीर शर्मा ने किया।

शहीद कालूराम मेघवाल सेवा समिति की बैठक सम्पन्न

निसं

नोखा (नवयत्न)। शहीद कालूराम मेघवाल सेवा समिति की नवीन कार्यसमिति की बैठक शहीद कालूराम भवन, मोहनपुरा में सम्पन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता समिति के नवनिर्वाचित अध्यक्ष मोहनराम लीलड़ ने की। बैठक में शिक्षा, समाजोत्थान, पंचायतीराज चुनाव में मेघवाल समाज का प्रतिनिधित्व, सदस्यता अभियान व आगामी कार्यक्रमों व सम्पर्क अभियान को लेकर विस्तृत चर्चा हुई। बैठक का संचालन समिति के नव निर्वाचित सचिव मोहनराम ढाल ने किया।

बैठक में भूमिदान दाता मनीराम बिरठ, समिति के पूर्व अध्यक्ष हीराराम ढाल, पूर्व कोषाध्यक्ष नेमराज खती, पूर्व सचिव शंकरलाल मेहरड़ा, पूर्व कोषाध्यक्ष रामदयाल जांगलू, प्रोफेसर डॉ. रणवीरसिंह, मूलाराम बंधड़ा, पार्षद प्रतिनिधि सहीराम बरोड़, सुरेन्द्र कुमार पाँचू, लाभूराम बरोड़, आसुराम रायसर, रेवंतराम शिला, रामचन्द्र जेगला, सोहनलाल, मनोज बिरठ, एडवोकेट रामनारायण, दिनेशसिंह, चुन्नीलाल राजस्थानी सहित अनेक समाज बन्धु उपस्थित रहे। समाज के भवन में निवास कर रहे छात्रों से भी पदाधिकारियों ने संवाद कियाए प्रोफेसर डॉ. रणवीरसिंह ने छात्रों को अध्ययन के साथ साथ व्यक्तित्व विकास की भी मोटिवेशनल क्लास ली तथा प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के बारे में विस्तृत जानकारी दी। अध्यक्ष मोहनराम लीलड़ ने आगन्तुकों का आभार जताया।

श्रीकृष्ण जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया

निसं

राजलदेसर (नवयत्न)। राजलदेसर में महेंदीपुर बालाजी मंदिर में बालाजी भक्त मण्डल के द्वारा चल रही सात दिवसीय संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन किया जा रहा है। कथा के चौथे दिन भगवान श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया गया। कृष्ण जन्म के प्रसंग शुरू होते ही पांडाल में मौजूद श्रद्धालु नंद के घर आनंद भया जय कन्हैया लाल की भजनों के साथ झूम उठे। कथावाचक दण्डी स्वामी शिवेन्द्राश्रम महाराज ने कहा कि जीवन में जब भी भगवत नाम सुनने का अवसर प्राप्त हो, उससे विमुख नहीं होना चाहिए। भागवत महापुराण के विभिन्न प्रसंगों का वर्णन करते हुए बताया कि जब जब धरती पर अधर्म बढ़ता हैए तब तब परमात्मा अवतार धारण करके धरती पर धर्म की स्थापना करते हैं। विभिन्न प्रसंगों पर सुनाई कथा कृष्ण जन्म की कथा के पूर्व भगवान राम के अवतार की लीला का वर्णन किया। उन्होंने कहा कि भगवान राम ने आदर्श स्थापित किया है, वह आज भी प्रासंगिक है। राम जन्म, ताड़का वध, राम विवाह, वनवास, रावण वध सहित राम राज्याभिषेक पर सुन्दर व्याख्यान दिया। उन्होंने कहा कि द्वापर में जब कंस के अत्याचार बढ़े तो श्रीकृष्ण ने अवतार लेकर मुक्ति दिलाई। इस मौके पर यजमान एडवोकेट सतीश मारू, विष्णुकांत पारीक अन्य श्रद्धालुओं ने पूजा अर्चना कर महाराज श्री से आशीर्वाद प्राप्त किया।

स्काउट संस्थापक एवं गाइड संस्थापक की मनाई जयंती

जयशंकर जांगिड़

झुंझुनू (नवयत्न)। राजस्थान राज्य भारत स्काउट गाइड जिला मुख्यालय झुंझुनू के तत्वाधान में स्काउट गाइड कार्यालय परिसर में स्काउट के संस्थापक लॉर्ड बेडन पॉवेल की जयंती को विश्व स्काउट दिवस एवं गाइड संस्थापक ओवल पॉवेल की जयंती को चिंतन दिवस के रुप में समारोहपूर्वक मनाया गया। इस अवसर पर लॉर्ड बेडन पावेल द्वारा प्रतिपादित नियमों, प्रतिज्ञा, सिद्धांत एवं पद्धती पर प्रकाश डालते हुए सी. ओ. स्काउट कालावत ने उपस्थित स्काउट्स, रोवर्स को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि हमें संगठन के नियमों, सिद्धांतों को जीवन में अपना कर देश की एकता, अखंडता, भाईचारे, सद्भावना को प्रोत्साहित कर जीवन में आगे बढ़ना चाहिए, क्योंकि इनसे व्यक्तित्व में निखार आता है।

इस अवसर पर स्काउट्स एरोवर्स ने स्काउट संस्थापक को पुष्पांजलि अर्पित कर स्काउट सेल्यूट के माध्यम से याद किया। स्थानीय संघ बुहाना, चिड़ावा, सूरजगढ़, खेतड़ी, नवलगढ़, मंडावा, अलसीसर, झुंझुनू, मान नगर, गुढ़ागौड़जी, उदयपुरवाटी, पिलानी में स्वच्छता अभियान, पोस्टर प्रतियोगिता, संगोष्ठी, पौधों की सार संभाल, सेमिनार जैसे विभिन्न कार्यक्रम आयोजित कर स्काउट गाइड संस्थापक को याद किया गया। इस दौरान हिमालय वुड बैज स्काउट मास्टर अमरचंद बियान, स्काउटर सुरेंद्र किरोड़ीवाल सहित मोरारका कॉलेज के रोवर्स एवं राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय उदावास के स्काउट्स उपस्थित रहे।

गुढ़ागौड़जी के कलाकारों के बुगाला में गूंजे धमाल

निसं

बुगाला (नवयत्न)। बावलिया बाबा हवेली में रविवार को प्रसिद्ध कलाकार दिनेश गुर्जर व रघुवीर पेंटर के धमाल ने श्रद्धालुओं को झूमने पर मजबूर कर दिया। कार्यक्रम में आसपास के गांवों से भक्तजन पहुंचे और पूरे वातावरण को भक्तिमय बना दिया। कवि दिनेश के बनाए गए धमाल तहसील नवलगढ़ गांव बुगाला, जन्म लियो बाबा हांडी वाला धमाल की शानदार प्रस्तुति दी गई। बाबा के दरबार की महिमा और अन्य लोकभजनों की प्रस्तुतियों ने समां बांध दिया। मंदिर समिति ने कलाकारों का स्वागत किया। आयोजकों ने बताया कि ऐसे धार्मिक व सांस्कृतिक कार्यक्रमों से गांव में भाईचारे और आस्था का माहौल मजबूत होता है। कार्यक्रम शांतिपूर्ण एवं उत्साहपूर्ण माहौल में सम्पन्न हुआ।

निशान यात्रा रवाना

निसं

मुकुंदढ़ (नवयत्न)। श्री श्याम मित्र मंडल के तत्वावधान में 29 वी निशान पद यात्रा वार्ड न 4 बालाजी मंदिर से खाटू धाम के लिए रवाना हुई। शनिवार रात्रि को मंदिर मे विशाल भजन संध्या का आयोजन हुआ जिसमें भजन गायककार सुभाष शर्मा ने बाबा श्याम के भजनों की एक से बढ़कर एक भजनों की प्रस्तुतियां दी। मंडल के विजय जगनाणी की ओर से बाबा का भव्य श्रृंगार किया गया। पंडित जनार्दन सुरोलिया की ओर बाबा श्याम की ज्योत लेकर निशानों की पूजा अर्चना करवाकर रविवार प्रात: निशान यात्रा को रवाना किया। श्री श्याम मित्र मंडल के रामप्रताप सैनी, देवेंद्र बना, प्रेम सैनी, दीपक सैनी, रामचंद्र सैनी, मुकेश देवड़ा, निशु बेसवाल, शेट्टी, सौरव कनाई, सुरेश बेसवाल, प्रदीप मोदी, वीरेंद्र शाह, प्रह्लाद चेजारा सहित अन्य भक्त गण बाबा श्याम के भक्तिमय भजनों के साथ नाचते गाते बुधवार को खाटू श्याम मे बाबा के दरबार मे निशान चढ़ाएंगे।

पूर्व नेता प्रतिपक्ष राठौड़ ने किया विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण

निसं

तारानगर (नवयत्न)। तारानगर तहसील के ग्राम बुचावास स्थित महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय में रविवार को विभिन्न विकास कार्यों के लोकार्पण समारोह हुआ। मुख्य अतिथि राजेन्द्र राठौड़ ने राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय के खेल मैदान में पार्क निर्माण, सी.सी. सड़क निर्माण, रातु मोक्ष भूमि में चारदीवारी व मुख्य द्वार सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रसहित विभिन्न विकास कार्यों का विधिवत लोकार्पण किया। लोकार्पण समारोह को संबोधित करते हुए राठौड़ ने कहा कि डबल इंजन की भाजपा सरकार 2 साल के शासनकाल में प्रदेश में इतने विकास कार्य करवा, हैं जितने की पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार ने 5 साल में नहीं करवाए।

भाजपा का नाम व काम ही विकास है। समारोह के विशिष्ट अतिथि व पद्मभूषण भाजपा नेता देवेंद्र झाझड़िया, भाजपा नेता राकेश जांगिड़, चन्द्राराम गुरीए पराक्रम राठौड़, सरपंच सीता देवीए अजीत राठौड़, अनूप खण्डेलवाल, सीबीईओ बबलेश शर्मा पीईईओ प्रधानाचार्य अंजू बाला सैनी, प्रधानाचार्य मंजू निमड़, मनोज व्यास, कृष्ण मेघवाल थे। ग्रामीणों ने अतिथियों का साफा व माला पहनाकर स्वागत किया। समारोह में लीलाधर बागोरिया, रणजीत सिंहए हरि इंदौरिया, राधेश्याम जोशी, मुकेश शर्मा, किशन लाल पुजारी, परमेश्वर लाल, महावीर प्रसाद पांडिया, अजीत मेघवाल, रतनलाल पांडिया, शक्ति कुमार आसेरी, लिच्छू राम मेहरा किशनलाल दर्जी, मेघाराम गुर्जर, किशन नाई, भागीरथ स्वामी, गोपी दास स्वामी, दिनेश मेहरा, लोकपाल दुबे, रामावतार शर्मा, लालचंद प्रजापत, श्याम लाल पारीक, बाबूलाल गिवारिया, शंकर पंचघरिया, संदीप भार्गव आदि अनेक।

ग्रामीण मौजूद थे। संचालन रतनलाल पांडिया ने किया।

चंग प्रतियोगिता का शुभारंभ

निसं

तारानगर (नवयत्न)। फागोत्सव के अवसर पर हर वर्ष की भांति आज भी ग्राम चंगोई-मिखाला में विशाल चंग प्रतियोगिता का भाजपा नेता राकेश जांगिड़ ने शुभारंभ कर विभिन्न क्षेत्रों से पधारे लोक कलाकारों का उत्साहवर्धन किया। जांगिड़ ने कहा कि चंगोई मिखाला की आयोजक समिति द्वारा किया गया यह शानदार आयोजन सिर्फ एक प्रतियोगिता नहीं है, बल्कि हमारी जीवंत राजस्थानी संस्कृति और धरोहर का उत्सव है। चंग सिर्फएक वाद्ययंत्र नहीं है बल्कि यहाँ की मिट्टी की गूँज है। मैं उन सभी टीमों का विशेष धन्यवाद करता हूँ जो दूर-दराज के गाँवों से आकर इस पारंपरिक नृत्य और संगीत को जीवंत कर रहे हैं। आपकी मेहनत और चंग की थाप से जो माहौल बनता है, वह लाजवाब है। प्रतियोगिता की शानदार सफलता की शुभकामनाओं के साथ आयोजिक समिति एंव सम्पूर्ण ग्रामवासियों का जांगिड़ ने हार्दिक आभार व्यक्त किया। इस दौरान पार्षद कृष्ण सहारण, निर्वतमान सरपंच सुमेर सिंह, आयोजक समिति के ओमसिंह गौड़, भींवसिंह गौड़, बनवारीलाल कस्वां, सोमवीर सरवा, दुलीचंद, नारसिंह गौड़, पूर्णमल जांगिड, भादरसिंह रेप्सवाल, सोहनलाल सुथार, दिलबाग कस्वां, कानसिंह, बजरंग सिंह, प्रमोद सोनगरा, हरिसिंह सहित अनेक ग्रामीण मौजूद रहे।

विराट हिन्दू सम्मेलन आयोजित

निसं

रतनगढ़ (नवयत्न)। रतनगढ़ में सराफों के कुएं के पास स्थित गोदावरी गेस्ट हाऊस में वीर अर्जुन बस्ती के सर्व समाज के नागरिकों द्वारा विराट हिन्दू सम्मेलन का आयोजन नौसरिया के संत सीताराम महाराज का पावन सान्निध्य व इन्द्रचंद कंवल के मुख्यातिथि, गौरीशंकर भोभरिया व आयोजन समिति अध्यक्ष गोपालकृष्ण शर्मा मंचस्थ अतिथियों ने भारत माता के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया तथा महावीर प्रसाद सांखोलिया व सुरेन्द्र हरित द्वारा स्वस्ति वाचन किया गया। कार्यक्रम के शुभारंभ से पहले बस्ती की मातृ शक्तियों द्वारा काली टंकी के पास स्थित वीर हनुमान मंदिर से आयोजन स्थल तक कलश यात्रा निकाली। संत उद्बोधन में सीताराम महाराज ने रामचरितमानस से उदाहरण देकर सभी नागरिकों को आपसी स्नेह, समरसता और सद्भाव से मिलजुलकर रहने की प्रेरणा दी। उन्होंने जातिवाद का त्याग, बड़े व संयुक्त परिवारों के विकास तथा हिन्दुत्व के भाव के साथ राष्ट्र को सर्वोपरि मानने का आह्वान किया। मुख्य वक्ता राजेश सोनी ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना, विकास और उसके उद्देश्य तथा कार्यों पर प्रकाश डाला। गायत्री परिवार की नीलम गौड़ ने काव्यात्मक उद्बोधन में श्नारी तेरी साध सुगढ़ परिवार बनाती थी, रत्न प्रसविनी तूं देवों को गोद खिलाती थी की काव्य पंक्तियों के साथ सभी नारी शक्तियों को अपनी संतानों को सुसंस्कार प्रदान करने की प्रेरणा दी। आयोजन समिति के अध्यक्ष गोपाल कृष्ण शर्मा ने सभी आगंतुकों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन रामदेव चंदनिया ने किया। कार्यक्रम में बजरंग लाल कठोड़, रघुनाथ प्रसाद शर्मा, आसकरण भाटी, बजरंग लाल भोभरिया, पीरूमल प्रजापत, महेंद्र कुमार गार्ड, गुरुदत्त कठोड़, विनोद घोड़ीवाल, संजय पंडित, मोहन सुथार, करणी सिंह राजियासर, जगदेव प्रसाद सांखोलिया, बद्रीप्रसाद चंदनिया, राजेन्द्र प्रसाद चांदगोठिया, वासुदेव चाकलान, ओम मनोहर स्वामी, आनंदवर्धन राजवंशी, पुष्पा देवी हरित सहित कई गणमान्य उपस्थित थे।

28वीं श्याम बाबा पदयात्रा खाटूधाम के लिए रवाना

निसं

खेतड़ी नगर (नवयत्न)। केसीसी के सीआईएसएफ लाईन के पास पहाड़ी पर स्थित शिव मंदिर से रविवार को श्याम मित्र मंडल के तत्वाधान में 28वीं श्याम बाबा पद यात्रा खाटूधाम के लिए रवाना हुई। समाजसेवी हरीराम गुर्जर की मुख्य यजमानी में श्रद्धालुओं ने सुबह सवा सात बजे निशान की विधिवत रूप से पूजा अर्चना कर जत्थे को खाटूधाम के लिए रवाना किया। श्याम बाबा का जत्था डीजे की धून पर नाचते गाते हुए खाटूधाम के लिए रवाना हुआ। जत्थे का जगह-जगह फुलों से स्वागत किया गया। जत्थे में रोहिताश स्वामी, महेंद्र सोनी, मूलचंद, रामकरण फौजी, राधेश्याम, दाताराम, रामस्वरूप, फूलसिंह, दिनेश सैनी, देवीलाल, सुमित्रा देवी, कृष्णा देवी, विनोद देवी, अन्नू देवी, सुनिल शर्मा, नीमा देवी आदि श्याम भक्तों का जत्था खाटूधाम के लिए रवाना हुए।

परमिट नियमों का उल्लंघन करने पर दो डी.जे. सीज

निसं

लाडनूं (नवयत्न)। स्थानीय पुलिस ने परमिट नियमों का उल्लंघन करने वाले दो डीजे पर कार्रवाई करते हुए सीज किया है। थानाधिकारी शिंभु सिंह ने बताया कि करंट बालाजी चोराहे पर दौराने नाका बंदी दो डीजे को रुकवा कर देखा गया की वाहनों के मुलस्वरूप मे बिना आरटीओ की अनुमति के इनमें बदलाव किया गया है। दोनों वाहनों में परमिट की शर्तो का खुला उलंघन करता हुआ पाया गया। चालकों ने अपने वाहनों के आगे जरनेटर लगा कर रखा था तथा ऊपर डीजे लगा रखा है जिससे वाहन चालक की विजिबिलीटी व संतुलन बनाए रखने पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है और इससे दुर्घटना कारित होने का खतरा बना रहता है। दुर्घटना कारित होने पर और ज्यादा खतरनाक व जीवन के लिए खतरा हो सकता है। हेड कांस्टेबल प्रेमाराम मुंड द्वारा वाहन चालक से नाम पता पूछने पर अपना नाम राहुल पुत्र सुरेन्द्र जाति बाल्मीकि निवासी हरिजन बस्ती लाडनू बताया है तथा दूसरे वाहन चालक ने अपना नाम प्रहलाद पुत्र रामेश्वर जाति बावरी निवासी बड़ा बास होना बताया है चालकों द्वारा आरसीए बीमा, प्रदूषण, व लाइसेंस पेश नहीं करने पर वाहनों को एमवी एक्ट की धारा 52,192। 184,207 मे जप्त किया गया।

विराट हिंदू सम्मेलन में गूंजा सनातन का उद्घोष

हिंदुत्व ही विश्वबंधुत्व की आधारशिला : श्रीकांत

निसं

मुकुंदगढ़ (नवयत्न)। कस्बे के मंडावा रोड स्थित बाकरेवाला स्टेडियम में रविवार को विराट हिंदू सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम से पूर्व ठड्डेवाले बालाजी मंदिर से स्टेडियम तक डीजे के साथ 1100 से अधिक महिलाओं की कलश यात्रा निकाली। कलश यात्रा के हिंदू धर्मप्रेमियों ने जगह जगह पुष्प वर्षा से स्वागत किया। विराट हिंदू सम्मेलन का शुभारंभ भारत माता के चित्र के सम्मुख दीप प्रज्वलित कर किया गया। सम्मेलन में पंच परिवर्तन सामाजिक समरसता, कुटुंब प्रबोधन, स्वदेशी, पर्यावरण संरक्षण एवं नागरिक शिष्टाचार जैसे विषयों पर सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गई। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय बौद्धिक शिक्षण प्रमुख प्रचारक श्रीकांत ने कहा कि हिंदुत्व ही विश्वबंधुत्व की आधारशिला है। हिंदू समाज यदि संगठित और सशक्त रहेगा तो वह संपूर्ण विश्व को

एकता और मानवता का मार्ग दिखा सकेगा। उन्होंने कहा कि हिंदू समाज जहां-जहां पहुंचा, वहां उसने उस देश और समाज के उत्थान में सकारात्मक योगदान दिया है। मंच का संचालन विभाग कुटुंब संयोजक राजाराम सुरोलिया ने किया।

भारत ने सदैव पीड़ितों को शरण दी : महंत चेतननाथ

श्री सिद्धेश्वर महादेव आश्रम के महंत चेतननाथ महाराज ने श्वसुधैव कुटुम्बकम की भावना को हिंदू जीवन दृष्टि का मूल बताते हुए कहा कि दुनिया एक परिवार है और विश्व के किसी भी कोने में संकट हो तो हिंदू उसे अपनी समस्या मानता है। भारत ने सदैव पीड़ितों को शरण दी है, चाहे पारसी समाज हो या तिब्बती समुदाय, भारत ने सबको अपनाया है। महर्षि वाल्मीकि द्वारा रचित रामायण का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि यह केवल कथा नहीं, बल्कि मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम के आदर्श जीवन का मार्गदर्शन है। जिस पवित्र भूमि पर श्रीराम, श्रीकृष्ण और भगवान शिव ने अवतार लिया, उस भारत भूमि में जन्म लेना सौभाग्य की बात है। कुंभनाथ ब्रह्म बगीची महंत अघोरी बाबा शैलेन्द्र नाथ ने विराट हिंदू सम्मेलन को हिंदू जागरण की दिशा को नई ऊर्जा एवं चेतना प्रदान करने हेतु सर्व हिन्दू सनातन संस्कृति सनातन धर्म एवं सामाजिक एकता का प्रतीक बताया।

संत सानिध्य में प्रकाश माली ने दी भजनों की प्रस्तुतियां

विराट हिंदू सम्मेलन में श्री सिद्धेश्वर महादेव आश्रम के महंत चेतननाथ, कुम्भनाथ ब्रह्म बगीची महंत अघोरी बाबा शैलेन्द्र नाथ, संत मोहननाथ, झुंझुनू विभाग प्रचारक मुकेश कुमार, आयोजन समिति अध्यक्ष सुभाष शर्मा, सचिव रामस्वरूप जोशी मंचस्थ रहे। कार्यक्रम में प्रसिद्ध भजन कलाकार प्रकाश माली ने देशभक्ति और आध्यात्मिक भजनों की प्रस्तुतियां दी।

कलश यात्रा के बाद गायत्री नवकुण्डीय यज्ञ में विधिवत मंत्रोच्चारण के साथ आहुतियां दी गई। दोपहर 12 बजे से भंडारे का आयोजन हुआ।

जिसमें धर्मप्रेमियों ने प्रसाद ग्रहण किया।

बच्चों ने सजाई सजीव झाकियां

कार्यक्रम में निशा ने राम, लक्षिता ने लक्ष्मण, नेहाल ने सीता, गिरीश ने हनुमान, बनकर राम दरबार की सजीव झांकी सजाई। जीविका सैनी ने भारत माता, पार्थ कुमावत स्वामी विवेकानंद, हार्दिक वर्मा भगतसिंह, हितेश चंद्रशेखर ने आजाद, अंश ने अम्बेडकर की सजीव झांकी बना कर धर्मप्रेमियों का मन मोह लिया।

इनका रहा विशेष सहयोग

कार्यक्रम में मुकुंदगढ़ से कामाक्षां शैलेंद्र बाबा कामधेनु सेवा संस्थान, श्री सिद्धेश्वर महादेव आश्रम, स्वामी विवेकानंद सेवा संघ, आदर्श विद्या मंदिर, बावलिया बाबा मंदिर, ठड्डेवाले बालाजी मंदिर, सेठजी टेंट हाउस, डूंडलोद से कंवरपुरा बालाजी, गोयनका म्यूजियम, मंडावा से आनंदपुर अखाड़ा, गणेश मंदिर, गायत्री परिवार का विशेष सहयोग रहा।

अंतर-महाविद्यालय ताइक्वांडो प्रतियोगिता सम्पन्न

निसं

श्रीमाधोपुर (नवयत्न)। विश्वविद्यालय के खेल पंचांग के अनुसार ताइक्कांडो प्रतियोगिता के आयोजन के लिए महात्मा गाँधी कॉलेज को खेल आयोजक बनाया गया। आयोजक सचिव विजेंद्र कुमार के अनुसार ताइक्कांडो प्रतियोगिता में मुख्य अतिथि पार्वती देवी अध्यक्ष, प्राचार्य डॉ विरेन्द्र कुमार यादव, पर्यवेक्षक राजेंद्र पलसानिया, चेयरमैन नॉमिनी शैतान सिंह, रैफरी, शारीरिक शिक्षकों द्वारा माँ सरस्वती, हनुमानजी और महाविद्यालय संस्थापक स्व. चौ. प्रताप सिंह खर्रा के आवक्ष चित्र पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्ज्वलित किया। शिवप्रसाद यादव, विक्रम शर्मा, ममता यादव, दीपेंद्र वर्मा, प्रदीप शर्मा, श्याम सामोता, ग्यारसीलाल यादव के सानिध्य में पूर्व संध्या पर अनेक महाविद्यालयों से पधारे हुए

खिलाड़ियों के दस्तावेज जांचे गए। रामसिंह जाट के सानिध्य में वेट कैटेगरी के अनुसार उनका वेट किया गया तथा अगले दिन प्रातः 8 बजे सभी खिलाड़ी खेल मैदान पर उपस्थित हुए जहाँ सभी रेफरीए विश्वविद्यालय पर्यवेक्षक, विश्वविद्यालय नॉमिनी, कोच आदि के सानिध्य में वेट कैटेगरी के अनुसार ताइक्कांडो प्रतियोगिता का आयोजन किया। पुरुष जूडो प्रतियोगिता में 54, 58, 63, 68, 74, 80, 87 व 87 प्लस किलोग्राम व महिला वर्ग में 46, 49, 53, 57, 62, 67, 73 व 73 प्लस किलोग्राम भार में ताइक्कांडो प्रतियोगिता आयोजित हुई। विभिन्न महाविद्यालयों की टीमों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतिभागियों ने उत्कृष्ट ताइक्कांडो कौशल का प्रदर्शन करते हुए शानदार प्रदर्शन किया। टूर्नामेंट में मंच संचालन विज्ञान संकाय प्रभारी प्रमोद वर्मा ने किया।

रेफरी की भूमिका में शारीरिक शिक्षक हेमंत कुमार, भावेश खांडल, अर्जुन सिंह, तुषार टांक, हेमंत सिंह, सतवीर सिंह, मुकेश शेषमा, रामसिंह जाट, सुन्दरलाल थे। पुरुष जूडो प्रतियोगिता में 54 रौनक यादव, 58 हीरालाल, 63 आदित्य सैनी, 68 रोहिताश, 74 देवाशीष तिवाड़ी, 80 सचिन, 87 अंकित कुमार, 87 प्लस किलोग्राम भार में कृष्ण गुर्जर विजयी रहे। ममता यादव ने बताया की महिला वर्ग में 46 टीना शर्मा, 49 राधा कुमावत, 53 उर्मिला, 57 रेखा, 62 सानिया, 67 कोनिका, 73 वंशिका, 73 प्लस किलोग्राम भार वर्ग में भाविका विजयी रही।

पुरुष वर्ग में चैम्पियनशिप एसबीएन कॉलेज श्रीमाधोपुर ने जीती व बालिका वर्ग में चैम्पियनशिप ग्रामीण महिला पीजी कॉलेज सीकर ने जीती। प्रतियोगिता के अंत में समस्त विजेताओं को मेडल पहनाकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर कार्यालय प्रभारी धर्मपाल बिजारणिया, राकेश शर्मा, विजयपाल जाट, ग्यारसी लाल यादव, रामावतार, कांतीलाल, बनवारी लाल, रतन लाल सहित समस्त महाविद्यालय स्टाफ उपस्थित रहा।

विश्व स्काउट गाइड चिंतन दिवस मनाया

निसं

पलसाना (नवयत्न)। सीकर जिले की विश्व प्रसिद्ध बाबा श्याम की नगरी खाटूश्यामजी में राजस्थान राज्य भारत स्काउट गाइड जिला मुख्यालय के संयुक्त तत्वाधान में जिला स्तरीय चल रहे खाटूश्यामजी मेला सेवा शिविर में विश्व स्काउट गाइड चिंतन दिवस मनाया गया। जिसमें मानव श्रृंखला, निबंध प्रतियोगिता, संगोष्ठी, क्विज प्रतियोगिता, जन चेतना रैली आयोजित कराई गई। जिसमें जो फर्स्ट सेकंड आए उनको समापन के अवसर पर प्रतीक चिह्न देकर सम्मानित किया जाएगा। इस मौके पर खाटूश्यामजी प्रधान एड जनार्दन शर्मा पलसाना सचिव पवन कुमार शर्मा, सुबोध कुमार शर्मा, सीताराम गुप्ता, जिला यूथ सचिव रामप्रसाद भास्कर, रचना अग्रवाल, सरोजिनी नायडू स्वतंत्र रेंजर टीम पलसाना लीडर महिमा शर्मा, महेश कुमार, रीटा शर्मा, स्काउट व रोवर्स उपस्थित थे। शिविर संचालक स्थानीय संघ पलसाना सचिव पवन कुमार शर्मा ने विश्व स्काउट एंड गाइड चिंतन दिवस की उपादेयता पर प्रकाश डालते हुए विस्तार से जानकारी दी।

निःशुल्क पाक्षिक होम्योपैथिक शिविर आयोजित

निसं

श्रीमाधोपुर (नवयत्न)। रोटरी क्लब श्रीमाधोपुर सनराइज द्वारा निःशुल्क पाक्षिक होम्योपैथी कैंप का 474 वां शिविर चौधरी नाथूराम भामु रोटरी भवन में लगाया गया, जिसमें श्रीमाथोपुर के अलावा पटवारी का बास, ढालियावास, लिसाडिया, नांगल, नाथुसर, कंचनपुर, होलियावास, अजीतगढ़, कांवट, खंडेला, होद, खेडी-जाजोद, जयरामपुरा सहित कई अन्य गाँवों के 111 मरीजों लाभ उठाया। रोटरी क्लब के गिरिराज कयाल ने बताया कि इससे पहले कैंपो में 50 हजार से भी ज्यादा मरीजों ने लाभ उठाया है। ये कैंप हर दूसरे रविवार को रोटरी भवन में आयोजित किये जाते है। इनमे डॉ एस एल चौधरी द्वारा सभी तरह की पथरी, प्रोस्टेट, चर्म रोग, पेट रोग, दमा-श्वास, सोरौसिस, साइटिका, नजला, जुखाम, टॉन्सिल्स, एलर्जी, माइग्रेन, फंगल इनफेंक्शन, जोडो का दर्द एवं अन्य कई रोगों से ग्रसित मरीजों को निःशुल्क परामर्श दिया तथा क्लब की ओर से 14 दिनों की दवाइयां निःशुल्क दी गई।

इस होम्योपैथी कैंप में डॉ एसएल चौधरी के साथ क्लब पूर्व सहप्रान्तपाल डॉ माधव सिंह, विजय कुमार कसेरा, धर्मेन्द्र चौधरी एवं क्लब के और सदस्यों ने अपनी सेवाएं दी।

नव निर्मित तुलादान प्लेटफॉर्म का शुभारंभ

निसं

राजलदेसर (नवयत्न)। श्री राजलदेसर गौशाला में गोपाल मंदिर के जीर्णोद्धार एवं तुलादान प्लेटफॉर्म का विधिवत शुभारंभ रविवार को पंडित भानु प्रकाश दाधीच के मंत्रोच्चार के साथ किया गया । गौशाला परिसर में दानदाताओं के सहयोग से तुलादान प्लेटफॉर्म का निर्माण किया गया है, जिससे धार्मिक आयोजनों एवं गौसेवा गतिविधियों को मजबूती मिलेगी। वहीं गौशाला में गुरूजी स्वर्गीय महावीर प्रसाद शर्मा-स्वर्गीय शकुंतला देवी की पुण्य स्मृति में परिजनों की ओर से गोशाला में स्थित श्री गोपाल कृष्ण मंदिर के आगे पत्थर निर्मित थ्री सीटर, चार कुर्सियां का भी रविवार को विधिवत पूजा करके शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम के दौरान गौशाला के वरिष्ठ उपाध्यक्ष मंगतमल पाण्डिया, मंत्री ललित दाधीच, सह मंत्री रतनलाल बारुपाल, उपाध्यक्ष भुवनेश्वर शर्मा, मुकेश श्रीमाल, कोषाध्यक्ष परमेश्वर फोगला, सुशील शर्मा, हनुमान सोनी, विनोद भाटिया, विकास मारू, राधेश्याम पांडे, शिवभगवान सोनी सहित गौशाला सदस्य उपस्थित रहे।

एजीटीएफ ने तीन साल से आंखों में धूल झोंक रहे इनामी तस्कर को पकड़ा

निसं

जयपुर (नवयत्न)। राजस्थान पुलिस की एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स एजीटीएफ ने पुलिस मुख्यालय के विशेष अभियान के तहत तीन साल से आंखों में धूल झोंक रहे पन्द्रह हजार रूपये के इनामी शराब तस्कर बनवारी लाल विश्नोई उर्फ अभिषेक निवासी रासीसर थाना नोखा जिला बीकानेर को धर दबोचा है। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक एटीएस एवं एजीटीएफ दिनेश एमएन ने बताया कि यह पूरी कार्रवाई एजीटीएफ के कांस्टेबल मगनाराम की पुख्ता सूचना पर हुई। इनपुट था कि लंबे समय से वांछित अपराधी बनवारी लाल अपने पैतृक क्षेत्र बीकानेर में देखा गया है। सूचना मिलते ही एसपी ज्ञानचंद यादव व एएसपी नरोत्तम लाल वर्मा के सुपरविजन और डीएसपी फुलचंद टेलर व एएसआई राकेश जाखड़ के नेतृत्व में एक स्पेशल टीम गठित कर बीकानेर रवाना की

गई। पुलिस टीम जब बीकानेर के नोखा पहुंची तो पता चला कि आरोपी गांव के पास ही बस स्टैंड पर मौजूद है। जैसे ही बनवारी लाल ने पुलिस की गाड़ियां देखीं, उसने भागने का प्रयास किया। लेकिन पहले से मुस्तैद एजीटीएफ और स्थानीय नोखा पुलिस की टीम ने उसे चारों तरफ से घेर लिया। दबोचे जाने के बाद आरोपी को अग्रिम कार्यवाही के लिए थाना सिणधरी जिला बालोतरा पुलिस के हवाले कर दिया गया है। गिरफ्तार आरोपी बनवारी लाल उर्फ अभिषेक का नेटवर्क काफी बड़ा है। वह पंजाब से अंग्रेजी शराब की बड़ी खेप फर्जी नंबर प्लेट लगे ट्रकों के जरिए गुजरात सप्लाई करता था। जुलाई 2023 में सिणधरी पुलिस ने एक ट्रक पकड़ा था, जिसमें 924 कार्टून अवैध शराब और 183 कार्टून बीयर बरामद हुई थी। बनवारी लाल खुद ट्रक लोड करवाता था और ड्राइवर राजूराम के जरिए सप्लाई भेजता था। वह पिछले 3 सालों से लगातार अपनी लोकेशन बदलकर पुलिस को चकमा दे रहा था। डीएसपी फुलचंद टेलर के नेतृत्व में अंजाम दी गई इस कार्रवाई में एएसआई राकेश जाखड़ कांस्टेबल मगनाराम मुख्य सूचनाकर्ता, सुनील और सुमेर सिंह की विशेष भूमिका रही। एजीटीएफ अब प्रदेश के अन्य बड़े गैंगस्टरों और तस्करों की लिस्टिंग कर उनकी घेराबंदी में जुटी है।

दिव्यांग जनों को कृत्रिम अंग एवं उपकरण वितरित

निलेश मुद्गल

झुंझुनू (नवयत्न)। महावीर इंटरनेशनल सनराइज एवं अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन व लावरेश्वर महादेव मंदिर के सहयोग से सामाजिक न्याय अधिकारिता विभाग एवं महावीर विकलांग सहायता समिति जयपुर के संयुक्त तत्वाधान में लावरेश्वर महादेव मंदिर में दिव्यांगों को कृत्रिम हाथ एवं कृत्रिम पैर ट्राई साइकिल, कैलीपर्स, ब्लाइंड स्मार्ट छड़ी, बुजुर्ग छड़ी, कान की सुनने की मशीनें वितरण की गई। शिविर का शुभारंभ झुंझुनू विधायक राजेंद्र भांबू द्वारा किया गया। संयोजक श्याम सुंदर जालान ने बताया कि शिविर में झुंझुनू के काफी संस्थाओं के सम्मानित बंधुओं का सेवा कार्यों में सहयोग रहा, राजस्थान सरकार द्वारा किए जा रहे कार्यों की जानकारी देते हुए विधायक ने संस्थाओं द्वारा किए जा रहे कार्यों की प्रशंसा की। बहुत ही पुण्य कार्य के लिए संस्थाओं का आभार प्रेषित किया। दिव्यांगों को उपकरण व हाथ पांव लगने के बाद उनकी खुशियों का कोई ठिकाना

नहीं रहा। शिविर में जिले के समस्त दिव्यांगों को चिह्नित किया है, तीन दिवस में काफी संख्या में दिव्यांगों को लाभान्वित कर सकेंगे। महावीर विकलांग सहायता समिति जयपुर के संयुक्त सचिव सुरेश मेहरा व समाज कल्याण विभाग के पवन कुमार पूनिया, महावीर इंटरनेशनल सनराइज अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन एवं लावरेश्वर महादेव मंदिर ट्रस्ट झुंझुनू के मेंबर्स कार्यक्रम में सम्मिलित रहे। कार्यक्रम में डॉ एसएन शुक्ला, डॉ एसके भार्गव, डॉ उमेद सिंह शेखावत, डॉ नरेंद्र सिंह नरूका, श्याम सुंदर जालान, महेश कुमार मुंड, नागरमल जांगिड़, देवेंद्र कुमार गौड़, अशोक कुमार शर्मा, बजरंग लाल अग्रवाल, चंद्रप्रकाश जालान, शिव प्रसाद महर्षि, कैलाश चंद्र शर्मा, पुष्पेंद्र कुमार शर्मा, सूमेर सिंह कर्णावत, सुभाष चंद्र जोशी, बिहारी लाल सैनी, ओमप्रकाश ककराणीया, आलोक गौड़, रमेश चंद्र शर्मा, महावीर प्रसाद सैनी, अकराज कुरैशी, कंचन शर्मा, प्रमिला शर्मा, प्रीतम सिंह, प्रदीप कुमार शुक्ला, श्रवण कुमार गोयनका, डॉ राकेश शर्मा, डॉ मनोज शर्मा, राजदीप महर्षि सहित काफी संख्या में गणमान्य जन, संस्था के मेंबर्स उपस्थित रहे।

सम्पादकीय

ट्रंप की मनमानी पर रोक, अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने निकाल दी हेकड़ी

मुझे टैरिफ से प्यार है और यह मेरा पसंदीदा शब्द है, ऐसा कहकर इतराने वाले राष्ट्रपति ट्रंप की अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने हेकड़ी निकाल दी। उसने अमेरिकी राष्ट्रपति की ओर से भारत समेत तमाम देशों पर थोपे गए टैरिफ को अवैध करार दिया। खास बात यह है कि सुप्रीम कोर्ट के उन दो न्यायाधीशों ने भी ट्रंप की टैरिफ नीति को उनके अधिकार क्षेत्र से बाहर माना, जिनकी नियुक्ति स्वयं उन्होंने की थी। इससे पता चलता है कि ट्रंप टैरिफ के मामले में किस तरह नियम-कानूनों की घोर अनदेखी करने में लगे हुए थे।

सुप्रीम कोर्ट का यह फैसला न केवल ट्रंप की टैरिफ नीति की हवा निकालने वाला, बल्कि उन्हें राजनीतिक रूप से कमजोर करने वाला भी है, क्योंकि वे एक तरह से अवैधानिक काम करते पकड़े गए। ट्रंप अपनी टैरिफ नीति के जरिये अपने समर्थकों के बीच यह माहौल बनाने में जुटे थे कि वे अमेरिका को मालामाल कर रहे हैं, लेकिन अब उन्हें भी ठगे जाने का अहसास होगा और वह भी ऐसे समय, जब अमेरिका में मध्यावधि चुनाव होने हैं।

सुप्रीम कोर्ट का फैसला ट्रंप की कम होती लोकप्रियता को और कम करने वाला है और इसका उन्हें राजनीतिक नुकसान उठाना पड़ सकता है, लेकिन यह भी तय है कि वे चैन से बैठने वाले नहीं हैं। इसका एक प्रमाण यह है कि उन्होंने सुप्रीम कोर्ट के फैसले के कुछ ही घंटों बाद एक कार्यकारी आदेश जारी कर सभी देशों पर दस प्रतिशत टैरिफ लगाने की घोषणा कर दी। हालांकि इसकी अवधि पांच महीने ही रहेगी, लेकिन इस बीच ट्रंप अन्य उपायों का सहारा लेने की कोशिश कर सकते हैं।

ट्रंप अमेरिका के साथ अनुचित एवं भेदभावपूर्ण व्यापार का आरोप लगाकर कुछ देशों पर अतिरिक्त टैरिफ थोप सकते हैं। इसी तरह वैसे आयात पर भी टैरिफ बढ़ा सकते हैं, जिनसे अमेरिका की सुरक्षा के लिए खतरा हो, लेकिन इन उपायों को अमल में लाने के लिए उन्हें जांच के जरिये यह सिद्ध करना होगा कि वास्तव में अमुक-अमुक देश अनुचित व्यापार नीति पर चल रहे हैं या फिर अमेरिकी सुरक्षा के लिए खतरा बने उत्पादों का निर्यात कर रहे हैं। चूंकि ट्रंप अमेरिका को फिर से महान बनाने के नारे के बहाने अपने स्वार्थों को पूरा करने और अपनी छवि चमकाने के फेर में रहते हैं, इसलिए टैरिफ से इतर मामलों में मनमाने, अप्रत्याशित और विश्व को मुश्किल में डालने वाले फैसले ले सकते हैं। अपने लोगों का ध्यान बंटाने के लिए वे ईरान पर हमला कर सकते हैं। वे उसकी घेराबंदी करने में जुटे ही हैं। वे क्यूबा और कुछ अन्य देशों पर भी अपनी निगाह टेढ़ी कर सकते हैं। जो भी हो, भारत को उनसे तब भी सावधान रहना होगा, जब अमेरिका से अंतरिम व्यापार समझौता हो जाए, क्योंकि वे भरोसे के काबिल नहीं रह गए हैं।

विशेष आलेख

विज्ञान पर अटल, भारत में पनप रही नई वैज्ञानिक चेतना

भारत के किसी बड़े शहर की चकाचौंध से दूर, ओड़िशा या छत्तीसगढ़ के किसी ऐसे जिले में जहां मोबाइल के सिग्नल भी मुश्किल से पहुंचते हैं, वहां एक 14 साल का बच्चा एक पुराने कार्डबोर्ड, कुछ तारों और एक सस्ते सेंसर के साथ बैठा है। वह कोई खिलौना नहीं बना रहा। वह एक ऐसी मशीन तैयार कर रहा है जो मिट्टी में नाइट्रोजन की कमी होने पर उसके पिता के मोबाइल पर मैसेज भेज सके। जेन जी के शोर और जेनरेटिव एआई की चकाचौंध के बीच यह आज के भारत की वह तस्वीर है जिसे मुख्यधारा का मीडिया अक्सर कुछ कम तवज्जो देता है। यह तस्वीर है बच्चों में विज्ञान चेतना को समर्पित अटल इनोवेशन मिशन की, जो देश के कोने-कोने में स्थापित अटल टिंकरिंग लैब्स के जरिये एक ऐसी पीढ़ी तैयार कर रहा है, जो विज्ञान को रटती नहीं, उसे जीती है। 10 सालों की यह कहानी केवल मशीनों की नहीं है; यह कहानी है उस आत्मविश्वास की, जिसने भारत को 'जुगाड़' के देश से 'इनोवेशन' के ग्लोबल हब की ओर मोड़ दिया है।

विज्ञान शिक्षण का नया व्याकरण

औसत विद्यार्थियों के लिए भारत में विज्ञान शिक्षण एक बोरियत भरा बोझ रहा है। कक्षाओं में ब्लैकबोर्ड पर 'प्रकाश के परावर्तन' या 'ओम के नियम' के चित्र तो बनते थे, लेकिन साधारण मेधा वाले छात्रों को यह समझ नहीं आता था कि ये उनकी निजी जिंदगी में क्या बदलाव लाएंगे। 'विज्ञान आओ करके सीखें' जैसी पाठ्यक्रम पुस्तकें और 'आविष्कार' जैसी पत्रिकाएं कुछ रुचि जगाती भी थीं, मगर प्रैक्टिकल के पीरियड्स को छोड़कर प्रयोगशाला में प्रवेश लगभग वर्जित था।

हाईस्कूल में पहली बार नसीब होने वाली प्रयोगशालाएं भी ऐसी, जहां उपकरणों की उपलब्धता पाठ्यक्रम से एक इंच टस से मस होने को तैयार नहीं; नतीजतन अरुचि से भरे कई विद्यार्थियों का जोर सीखने पर नहीं, किसी सहृदय प्रयोगशाला सहायक की कृपा से प्रैक्टिकल में नंबर जुगाड़ने पर होता था। ऐसे में कक्षा 10 उत्तीर्ण करने के बाद कई विद्यार्थी वाणिज्य अथवा कला संकाय में प्रवेश ले लेते थे, इनमें भी लड़कियों की संख्या बहुत होती थी।

मगर अटल टिंकरिंग लैब ने इस पूरी व्यवस्था में दिलचस्प परिवर्तन किए है। अब कक्षा छह से ही यहां 'खुद करके देखो' की संस्कृति है। संप्रति भारत भर के स्कूलों में फैली इन 10 हजार से अधिक लैब्स में जब कोई बच्चा खुद थ्री-डी प्रिंटर को कमांड देता है या रोबोटिक्स किट को असेंबल करता है, तो उसके भीतर विज्ञान को लेकर झिझक दीवानगी भरी दिलचस्पी में बदलने लगती है। विज्ञान किताबों के पन्नों से निकलकर उसके हाथों की हथेलियों पर नाचने लगता है। यहां बच्चे विज्ञान, तकनीक, इंजीनियरिंग और गणित (एसटीईएम) के सिद्धांतों को किताबों से नहीं, बल्कि प्रयोग करके सीखते हैं। उपकरणों से काम करते हुए वे जिज्ञासा, समस्या-समाधान और रचनात्मकता को विकसित करते हैं। प्रोजेक्ट बनाते हुए टीमवर्क और उद्यमिता की भावना भी विकसित होती है। यही बदलाव छात्रों को रटने से खोज की ओर लेकर जाता है और यही विज्ञान की असली ताकत है!

डीप टेक का बढ़ता दायरा

जिन पाठकों ने इस सप्ताह नई दिल्ली में आयोजित एआई इंपैक्ट समिट पर नजर रखी होगी, वे समझ रहे होंगे कि भारत की स्थिति आज डीप टेक में वैसी ही है जैसी बीसवीं शताब्दी के अंतिम दशक में साफ्टवेयर के क्षेत्र में थी—हम एक बड़े धमाके के मुहाने पर खड़े हैं। आज हम आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, इंटरनेट ऑफ थिंग्स और ब्लॉकचेन की बात करते हैं। आम आदमी के लिए ये शब्द अजनबी हो सकते हैं, लेकिन भारत की नवांकुर विज्ञानी मेधा के लिए ये रोजमर्रा के औजार हैं। डीप टेक का सरल अर्थ है ऐसी तकनीक जो गहन वैज्ञानिक शोध पर आधारित हो। भारत आज अंतरिक्ष से लेकर रक्षा तक में डीप टेक का लोहा मनवा रहा है। जबकि पृष्ठभूमि में एटीएल जैसी इनोवेटिव प्रयोगशालाओं, इसरो के प्रोजेक्ट युविका और विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग संचालित इंस्पायर-मानक जैसे कार्यक्रमों से इसकी नींव रखी जा रही है। वास्तव में जब एक छठी कक्षा का बच्चा यह समझता है कि सेंसर कैसे काम करता है और नवीं कक्षा के बच्चे वर्किंग सैटेलाइट माडल बनाते हैं, तो भविष्य के लिए ऐसे डाटा साइंटिस्ट, एआई या स्पेस इंजीनियर तैयार हो रहे होते हैं जो विदेशी ज्ञान पर नहीं, विज्ञान के सहजबोध पर निर्भर होते हैं।

विज्ञान उद्यमिता की चमक

नई पीढ़ी की विज्ञान में बढ़ती रुचि और परिणामस्वरूप इसकी तरफ बढ़ते रुझान का सबसे क्रांतिकारी पहलू है—विज्ञान उद्यमिता। इसी मंगलवार को मुंबई में भारत-फ्रांस इनोवेशन फोरम को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा था कि अटल इनोवेशन मिशन 100 से अधिक इन्क्यूबेटर और डीप-टेक स्टार्टअप्स की बढ़ती हुई पाइपलाइन को जोड़ता है। उन्होंने अटल टिंकरिंग लैब्स को स्कूली स्तर पर उस प्रारंभिक बिंदु के रूप में बताया, जिसे मार्गदर्शन, छात्रवृत्ति और स्टार्टअप पूंजी तक पहुंच का समर्थन प्राप्त है। विभिन्न हैकाथान से तराशे हुए विज्ञानी मेधा के यह हीरे केवल प्रोजेक्ट नहीं बना रहे, ये भविष्य की यूनिकॉर्न कंपनियों की रूपरेखा लिख रहे हैं। आइडिया से पेटेंट तक का सफर अब आसान हो गया है। नीति आयोग ने ऐसी व्यवस्था की है कि अगर किसी छात्र का आइडिया वाकई दमदार है, तो उसे इनक्यूबेशन सेंटर्स और निवेशकों से जोड़ा जाता है। वैश्विक नवाचार सूचकांक में भारत की रैंकिंग में जो सुधार हुआ है, उसके पीछे इन 10 हजार से अधिक लैब्स का बड़ा हाथ है। दुनिया देख रही है कि भारत के किशोर और युवा अब केवल कोड नहीं लिख रहे, बल्कि हार्डवेयर और डीप टेक में भी हाथ आजमा रहे हैं। इसरो के छोटे उपग्रहों के निर्माण में स्कूली छात्रों की भागीदारी इस बात का सबसे बड़ा सबूत है। तो अगली बार जब आप अपने बच्चे के हाथ में कोई उपकरण देखें, तो उसे प्रेरित करें कि वह यह सोचे कि यह काम कैसे करता है। आखिरकार 2047 में जब हम स्वाधीनता का शताब्दी समारोह मनाएंगे, तब यह पीढ़ी ही अपनी विज्ञानी मेधा से धरती से लेकर अंतरिक्ष तक भारत का भाग्य लिख रही होगी!

जहां समस्या ही प्रयोगशाला है

अक्सर बड़े नवाचार एसी कमरों में नहीं, बल्कि तपती धूप और धूल भरे रास्तों पर पैदा होते हैं। ग्रामीण भारत की अपनी विशिष्ट चुनौतियां हैं—खेती, सिंचाई, बिजली और स्वास्थ्य। यूट्यूब पर उदाहरण भरे पड़े हैं कि किस तरह भारत के ग्रामीण क्षेत्रों के बच्चे भी बड़ों की दुनिया को संवारने के लिए अपनी विज्ञानी मेधा का प्रयोग कर रहे हैं। उदाहरणस्वरूप शिवपुरी, मध्यप्रदेश के विकास, शिवम और दिनेश ने सेंसर, लाइट और वाइब्रेटर का इस्तेमाल करके सांप को दूर रखने की स्मार्ट छड़ी बनाई है तो वहीं विजयवाड़ा, आंध्र प्रदेश की रेवल्ला अर्चना ट्रेन दुर्घटना रोकने की प्रणाली सीख रही हैं। प्रयास सामान्य लग सकते हैं, मगर इनके पीछे की भावना असाधारण है। शिवपुरी में दसवीं कक्षा के इन बच्चों ने अपने गांव के किसानों को सांप के काटने से मरते देखा था, तो वहीं एक ट्रेन दुर्घटना ने कक्षा नौ की रेवल्ला के सिर से मां का साया छीन लिया था। आज यह नवाचार छोटे लग सकते हैं, लेकिन यह उस 'डीप टेक' का बुनियादी हिस्सा हैं जो आने वाले समय में लाखों जानें बचाएगा। दरअसल, जिज्ञासु बच्चों के बीच इंटरनेट मीडिया पर तैरते हुए यह नवाचार ओपेन सोर्स प्रोजेक्ट्स की तरह काम करते हैं, जिन्हें वे देखते-समझते और सुधारते हैं।

नवाचार की राह पर

यदि आप एक उत्सुक छात्र हैं तो विज्ञान को इस तरह अपना दोस्त बनाएं। वक्त के साथ दिलचस्पी भी जरूर बढ़ेगी:

समस्या को समझें: अपने आसपास देखें कि क्या परेशान करता है। क्या पानी की बर्बादी रोकनी है? या बुजुर्गों की मदद करनी है?

प्रयोग शुरू करें: स्कूल की साइंस लैब में जाकर उन उपकरणों को हाथ लगाएं जिनसे आप डरते हैं। असफल होने से न डरें।

आज का राशिफल

मेष

बेचैनी रहेगी। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। राजकीय बाधा दूर होगी। नेत्र पीड़ा की संभावना। धनलाभ एवं बुद्धि लाभ होगा। शत्रु से परेशान होंगे। अपमान होने की संभावना। कष्ट की संभावना। धनहानि। कष्ट-पीड़ा। शारीरिक पीड़ा होगी।

वृष

शुभ समाचार प्राप्त होंगे। पुराने मित्र व संबंधी मिलेंगे। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा। आय में वृद्धि होगी। विरोध की संभावना, धनहानि, गृहस्थी में कलह, रोग से घिरने की संभावना, कुछ कार्यसिद्धि की संभावना। चिंताएं जन्म लेंगी। स्त्री पीड़ा, कुछ लाभ की आशा करें।

मिथुन

पार्टनर से मतभेद समाप्त होगा। नौकरी में अधिकारी का सहयोग तथा विश्वास मिलेगा। पारिवारिक व्यस्तता रहेगी। आकस्मिक व्यय से तनाव रहेगा। अपेक्षाकृत कार्यों में विलंब होगा। विवेक से कार्य करें। स्थानीय धर्मस्थल की परिवार के साथ यात्रा होगी। लेनदारी वसूल होगी।

कर्क

स्वास्थ्य कमजोर रहेगा। भागदौड़ रहेगी। भूमि व भवन संबंधी योजना बनेगी। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। धनागम सुस्त रहेगा। कार्य के प्रति अनमनापन रहेगा। दु:खद समाचार प्राप्त हो सकता है। कुछ लाभ की संभावना। चिंताएं कुछ कम होंगी। व्यापार-व्यवसाय में ग्राहकी अच्छी रहेगी।

सिंह

कारोबारी नए अनुबंध होंगे। नई योजना बनेगी। मान-सम्मान मिलेगा। वाणी पर नियंत्रण रखें। स्त्री कष्ट संभव। कलह से बचें। कार्य में सफलता, शत्रु पराजित होंगे। विवेक से कार्य बनेंगे। पेट रोग से पीड़ित होने की संभावना। वस्त्राभूषण की प्राप्ति के योग। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी।

कन्या

रोजगार में वृद्धि होगी। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। परिवार की चिंता रहेगी। लाभ होगा। अस्वस्थता का अनुभव करेंगे। चिंता से मुक्ति नहीं मिलेगी। शत्रु दबे रहेंगे। कलह-अपमान से बचें। संभावित यात्रा होगी। सावधानी बरतना होगी। जीवनसाथी के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी।

तुला

यात्रा सफल रहेगी। विवाद न करें। लेन-देन में सावधानी रखें। कानूनी बाधा दूर होगी। देव दर्शन होंगे। राज्य से लाभ होने की संभावना। मातृपक्ष की चिंता। वाहन-मशीनरी का प्रयोग सावधानी से करें। धनागम की संभावना। मित्र मिलेंगे। विवाद न करें। लाभ के अवसर प्राप्त होंगे।

वृश्चिक

लेन-देन में सावधानी रखें। पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। शत्रु पर विजय, हर्ष के समाचार मिलने की संभावना। कुसंग से हानि। धनागम सुखद रहेगा। प्रेमिका मिलेगी। माता को कष्ट रहेगा। नौकरी में कार्य व्यवहार, ईमानदारी की प्रशंसा होगी।

धनु

लेनदारी वसूल होगी। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। लाभ के अवसर प्राप्त होंगे। शत्रु भय रहेगा। व्यापार-व्यवसाय में ग्राहकी अच्छी रहेगी। नौकरी में कार्य व्यवहार, ईमानदारी की प्रशंसा होगी। मशक्कत करने से लाभ होगा। चिंता होगी। शत्रु पराजित होंगे।

मकर

भय, पीड़ा व भ्रम की स्थिति बन सकती है। व्यर्थ भागदौड़ होगी। भय-पीड़ा, मानसिक कष्ट की संभावना। लाभ तथा पराक्रम ठीक रहेगा। दु:समाचार प्राप्त होंगे। हानि तथा भय की संभावना, पराक्रम से सफलता, कलहकारी वातावरण बनेगा। भयकारक दिन रहेगा। मशक्कत करने से लाभ होगा।

कुंभ

प्रेम-प्रसंग में जोखिम न लें। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। झंझटों में न पड़ें। आगे बढ़ने के मार्ग मिलने की संभावना। शत्रु पराजित होंगे। लाभ होगा। स्वास्थ्य ठीक होगा। अनजाना भय सताएगा। राज्य से लाभ। शत्रु शांत होंगे। शत्रु भय रहेगा।

मीन

जीवनसाथी के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। घर-बाहर अशांति रह सकती है। प्रयास सफल रहेंगे। यात्रा के योग बनेंगे। कुछ कष्ट होने की संभावना। लाभ के योग बनेंगे। स्त्री वर्ग को कष्ट। कुसंग से कष्ट। कलहकारक दिन रहेगा। अपनी तरफ से बात को बढ़ावा न दें। घर-बाहर अशांति रह सकती है।

स्वास्थ्य समाचार

पीठ के बल लेटकर रोज करें यह योगासन, दर्द से मिलेगी राहत

योग करना न सिर्फ हमारे शारीरिक स्वास्थ्य, बल्कि मानसिक स्वास्थ्य के लिए भी फायदेमंद होता है। योग कई तरीकों से किया जा सकता है। योग आसन, ध्यान और सांस का मिश्रण होता है। योगासन को बैठकर, खड़े होकर और लेटकर किया जा सकता है। कुछ योगासन पेट के बल लेटकर किए जा सकते हैं, तो कुछ योगासन पीठ के बल लेटकर भी आसानी से किए जाते हैं। जी हां, पीठ के बल लेटकर सिर्फ सोना नहीं, बल्कि योगासन करना भी काफी लाभकारी होता है। पीठ की मांसपेशियों को मजबूत बनाने, पीठ के दर्द को ठीक करने और रीढ़ की हड्डी का स्ट्रेस कम करने के लिए आप पीठ के बल लेटकर योग कर सकते हैं।

शवासन

शवासन पीठ के बल किए जाने वाले आसनों में से एक सबसे ईजी योगासन है। इस योगासन के नियमित अभ्यास से तन, मन और शरीर शांत रहता है। इससे तनाव और थकान दूर होती है। साथ ही मसल्स स्ट्रेस भी कम होती है। ऐसे में इस आसन को करने से पीठ की मांसपेशियां मजबूत बनती हैं और दर्द से राहत मिल सकती है।

कैसे करें

- इस आसन को करने के लिए सबसे पहले एक मैट बिछा लें।
- इसके बाद मैट पर पीठ के बल लेट जाएं। पैरों के बीच थोड़ा गैप बनाकर रखें।
- अपने दोनों हाथों को शरीर के समानांतर रखें। आप चाहें तो हाथों को फैला भी सकते हैं।
- अब इस अवस्था में गहरी सांस लें और छोड़ें। ध्यान लगाने की कोशिश करें और शांत रहें।

सेतु बंधासन

सेतु बंधासन को भी पीठ के बल लेटकर ही किया जाता है। इस आसन को रोजाना करने से रीढ़ की हड्डी, कमर, जांघ और पिंडलियों को मजबूती मिलती है। साथ ही पीठ और कंधों के दर्द में भी आराम मिलता है।

कैसे करें

- सेतु बंधासन करने के लिए सबसे पहले पीठ के बल लेट जाएं।
- दोनों पैरों के घुटनों को मोड़कर तलवों को जमीन पर रखें।
- इसके बाद हाथ सीधे करें और अपनी एड़ियों को पकड़ लें।
- फिर अपने कूल्हों और छाती को ऊपर उठाएं।
- छाती को इतने ऊपर तक ले जाएं कि ठोड़ी छाती को छूने लगे।
- इस स्थिति में आप 30-60 सेकेंड तक रुक सकते हैं।

झाइयां के कारण दिखने लगी हैं बूढ़ी शरीर में हो सकती है इन चीजों की कमी

लगभग सभी स्किन केयर प्रोडक्ट्स में विटामिन्स का इस्तेमाल किया जाता है और निश्चित रूप से इसमें झाइयों को कंट्रोल करने की क्षमता होती है। तो, क्यों न समझें कि यह समस्या शरीर में किन विटामिन्स की कमी से होती है।

झाइयों के लिए विटामिन्स कैसे काम करते हैं

झाइयों की समस्या तब होती है जब हमारी त्वचा में मेलेनिन का लेवल बढ़ जाता है। कई कारण आपके मेलेनिन उत्पादन को प्रभावित कर सकते हैं और झाइयों का कारण बन सकते हैं। आपकी त्वचा में बढ़े हुए मेलेनिन को प्रभावित करने वाले कुछ कारकों में आपकी उम्र, हार्मोन, त्वचा की समस्याएं, सूर्य के संपर्क में आना, आहार की कमी या अन्य कोई बीमारी आदि शामिल हैं। मेलेनिन उत्पादन को कम करने वाले विटामिन त्वचा की टोन और बनावट में सुधार करने का एक प्रभावी तरीका है। जब आप सही मात्रा में सही विटामिन्स का उपयोग करती हैं, तब वे कुछ ही समय में अद्भुत काम करते हैं। विटामिन तेजी से त्वचा कोशिकाओं के विकास को बढ़ावा देते हैं और सेल स्वास्थ्य में सुधार करते हैं। वे त्वचा में कोलेजन के उत्पादन को भी बढ़ावा देते हैं, जो बदले में त्वचा की लोच में सुधार करता है और फाइन लाइन्स को कम करता है। यह त्वचा को शाइनी दिखने में भी मदद करता है।

विटामिन-सी

विटामिन-सी का इस्तेमाल करने के कई फायदों के बारे में आपने सुना होगा। एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर, इस विटामिन में एंटी-एजिंग लाभ होते हैं जो त्वचा के ऑक्सीडेटिव तनाव को कम करते हैं और आपको स्मूथ, शाइनी और यहां तक कि त्वचा की टोन प्राप्त करने में मदद करते हैं। यह त्वचा में कोलेजन के उत्पादन में सुधार के अलावा फाइन लाइन्स और झुर्रियों को कम करता है। लेकिन क्या आप जानती हैं कि झाइयों के लिए विटामिन-सी सभी प्रकार की त्वचा पर सबसे अच्छी तरह काम करता है। यह लालिमा, खुजली और झुर्रीदारपन को दूर रखता है। यह आपके अंडर-आई सर्कल्स और पफीनेस को भी कम करता है। सन एक्सपोजर और इससे होने वाला त्वचा का डैमेज हाइपरपिग्मेंटेशन का एक प्रमुख कारण है।

विटामिन-ई

विटामिन-ई आपकी त्वचा के हेल्थ के लिए सबसे अच्छे विटामिन्स में से एक है। साथ ही यह सबसे शक्तिशाली विटामिन है जो आपकी त्वचा पर मेलेनिन उत्पादन को कम करता है। कई स्किन केयर प्रोडक्ट्स में झाइयों को कंट्रोल करने की क्षमता के लिए विटामिन ई शामिल है। इसकी कमी से चेहरे पर समस्या दिखाई देने लगती है। पिगमेंटेशन के लिए विटामिन-ई सबसे अच्छी तरह काम करता है। यह विटामिन एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर होता है जो आपकी त्वचा पर पफीनेस, झुर्रियां और झाइयां दिखने को कम करता है। झाइयों के लिए होंठों के आस-पास विटामिन-ई का उपयोग भी अच्छे रिजल्ट प्रदान करता है।

विटामिन-ए

एक और विटामिन जिसकी कमी से झाइयों की समस्याहो सकती है। वह विटामिन-ए है। यह त्वचा में टायरोसिनेस के लेवल को नियंत्रित करता है। टायरोसिनेस एक एंजाइम है जो हमारी त्वचा में मेलेनिन उत्पादन को प्रभावित करता है। इस एंजाइम और इसकी एक्टिविटी को कंट्रोल करके, विटामिन-ए हाइपरपिग्मेंटेशन को 70% तक कम करने में मदद कर सकता है। विटामिन-ए झुर्रियों और ढीली त्वचा को रोकने के अलावा आपकी त्वचा को बेदाग और सॉफ्ट बनाता है। यह आपके पोर्स के साइज को कम करने और नई कोशिका वृद्धि को बढ़ावा देने के लिए भी जाना जाता है। न सिर्फ झाइयों बल्कि कई अन्य स्वास्थ्य समस्याओं के इलाज में भी विटामिन बेहद प्रभावी हैं। विटामिन जो मेलेनिन उत्पादन को कम करते हैं, आपकी त्वचा को ड्राईनेस, पैचनेस, लालिमा जैसे अन्य समस्याओं से निपटने में भी मदद करते हैं। यदि आप अपने भोजन से पर्याप्त विटामिन नहीं लेती हैं, तो सुनिश्चित करें कि आप डॉक्टर से परामर्श करने के बाद विटामिन की कमी के लिए सप्लीमेंट लें।

सिरदर्द और थकान किस विटामिन की कमी से होती है?

अकसर हम बहुत अधिक थकान और सिरदर्द महसूस करते हैं। ऐसा आमतौर पर पर्याप्त नींद न लेने या ठीक से न सोने के कारण होता है।

साथ ही अगर आप भोजन ठीक से नहीं करते हैं, या ओवरईटिंग के कारण भी बहुत बार थकान की समस्या होती है। जंक और प्रोसेस्ड फूड्स खाने के बाद भी थकान और नींद आना बहुत आम है। कभी-कभी सिरदर्द और थकान की होना बहुत आम है और आमतौर पर इससे ज्यादा नुकसान नहीं होता है। लेकिन अगर आप अक्सर ही बहुत अधिक थकान और सिरदर्द जैसी समस्याओं का सामना करते हैं, तो यह शरीर में पोषक तत्वों की कमी का संकेत हो सकता है। बी विटामिन जिनमें विटामिन बी2- राइबोफ्लेविन, बी3- नियासिन, बी5- पैण्टोथेनिक एसिड, बी6- पाइरिडोक्सिन, बी9- फोलेट, बी12 आदि शामिल है।

विटामिन डी : ये विटामिन ऑक्सीजन वितरण और ऊर्जा उत्पादन में अहम भूमिका निभाते हैं। जब शरीर में इनकी कमी हो जाती है तो यह थकान को कारण बनते हैं- खासकर विटामिन बी12 की कमी।

विटामिन बी12 की कमी के कारण शरीर में लाल रक्त कोशिकाओं की मात्रा भी प्रभावित होती है। यह शरीर में खून की कमी या एनीमिया का भी कारण बन सकता है, जिसकी वजह से भी आप सारा दिन थका हुआ महसूस करते हैं।

इन विटामिन की कमी को पूरा करने के लिए क्या खाएं?

विटामिन बी कमी को पूरा करने के लिए आप दूध, दही, पनीर, छाछ के साथ ही गाजर, सैल्मन, शकरकंद, केले, एवोकाडो, छोले, पालक, टूना मछली, अंडा, मीट आदि को डाइट का हिस्सा बना सकते हैं। विटामिन सी के लिए आप आंवला, नींबू, अमरूद, संतरा, मौसमी आदि जैसे खट्टे फलों का सेवन कर सकते हैं। इसके अलावा आप सलाद, हरी-पत्तेदार सब्जियां और ब्रोकली आदि को बी डाइट में शामिल कर सकते हैं। विटामिन डी के लिए आप रोजाना सुबह या शाम धूप में कम से कम 10 मिनट जरूर बैठें। इसके अलावा दूध और दूध से बने उत्पाद, मछली, अंडे, मीट, अनाज और संतरा आदि को डाइट का हिस्सा बनाएं।

5 सालों के जतन अब हो रहे हैं सफल, गोपालपुरा हो रहा प्लास्टिक से मुक्त

प्रशासक सविता राठी के प्रयासों से प्रत्येक ग्रामीण हुआ जागरूक

निसं

सुजानगढ़ (नवयत्न)। जहां पर प्रशासन और सरकारें प्लास्टिक मुक्ति के लिए योजनाएं लाते हैं, वहीं सुजानगढ़ की गोपालपुरा पंचायत में प्लास्टिक मुक्ति के प्रयास धरातल पर काम करते भी नजर आ रहे हैं। लगातार 5 सालों की मेहनत से ये सब संभव हो पाया है। अपने आप में रचनात्मक सोच और विकास के पथ को अपना ध्येय मानने वाली गोपालपुरा की प्रशासक सविता राठी ने इसके लिए निरंतर प्रयास किए और अब जाकर ग्रामीणों को लगने लगा है कि प्लास्टिक हमारा दुश्मन है और इससे हमें हर हाल में इससे मुक्ति पानी है। प्लास्टिक मुक्ति के लिए गांव में एक अनूठी प्रतियोगिता भी शुरू की गई, जिसके तहत ग्रामीणों को प्लास्टिक के वजन के बराबर तोलकर चीनी दी जाने लगी। धीरे-धीरे इसके प्रति बच्चों में उत्साह देखा गया और उसके बाद बड़े भी इस मिशन में शामिल हुए और अब गांव के बच्चे-बच्चे को पता है कि प्लास्टिक स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है और इससे बचने के लिए देश समाज का प्लास्टिक मुक्त होना काफी जरूरी है।

क्या दिक्कतें आई इस मिशन में

गांव गोपालपुरा की प्रशासक सविता राठी बताती हैं कि शुरू में हमने लोगों से जब प्लास्टिक मुक्ति की बात करनी चालू कीए तो लोग इसे अनावश्यक विषय मानते थे और इस पर बात भी नहीं करते थे। धीरे-धीरे स्कूलों में जाकर बच्चों को समझाया गया और प्लास्टिक लाओ, चीनी पाओ प्रतियोगिता शुरू की गई। तब बच्चों और उनकी माताओं पर इसका असर पड़ने लगा और पंचायत पर प्लास्टिक इकट्ठा होकर आने लगी।

शादियों में होता था प्लास्टिक का ढ़ेर

सबसे बड़ी समस्या शादी समारोहों पर होती थी। एक शादी के बाद प्लास्टिक और डिस्पोजल का ढ़ेर लगता था। जिसको पंचायत की सख्ती के बाद कुछ लोग खेतों में ले जाकर गाड़ने लगे। लेकिन इसके बाद भी समझाईश की गई। प्रत्येक समाज के भवन संचालकों से संपर्क कर पक्के बर्तन शादियों में रखने व देने की गुजारिश की गई। इसी प्रकार बर्तन बैंक खोला गया, जिसने इस समस्या के समाधान में काफी सहयोग किया। लोगों को प्लास्टिक की बजाय स्टील के बर्तन रास आने लगे।

कोविड से शुरू हुआ सफर, अब पहुंच रहा मंजिल तक

प्रशासक सविता राठी ने बताया कि कोविड में जब लॉकडाउन लगाए तो गलियों में चारों और प्लास्टिक ही उड़ता हुआ नजर आया। तब हम लोगों ने इस समस्या के समाधान को मिशन के रूप में लिया और पंचायत को प्लास्टिक मुक्त बनाने की तरफकदम बढ़ाए। लोगों को प्लास्टिक के नुकसानों के बारे में जानकारियां देकर मीटिगें आयोजित की गई, जिसमें प्रशासन के अधिकारियों को भी समय-समय पर बुलाकर ग्रामीणों से रूबरू करवाया गया।

सुप्रीम फाउण्डेशन का मिला सहारा

अब प्लास्टिक मुक्ति के अभियान में सुप्रीम फाउण्डेशन प्रशासक सविता राठी का साथी बनकर इसमें शामिल हो गया है। इसके तहत एकत्रित किए गए प्लास्टिक को सुप्रीम फाउण्डेशन को प्रदान किया जाता है और वो आगे इसे रिसाइकिल करने का काम करता है। सविता राठी ने बताया कि प्रत्येक गुरूवार को ट्रेक्टर के जरिये गांव में कचरा संग्रहण किया जाता है और प्लास्टिक के लिए अलग से उसमें डिब्बा रखा जाता है, जिसमें प्लास्टिक संग्रहित किया जाता है। जमा प्लास्टिक को सुप्रीम फाउण्डेशन द्वारा रिसाइकिल करने का काम किया जाता है। जो लोग प्लास्टिक खुले में फेंकते थे, अब ट्रेक्टर के आने का इंतजार करते हैं, ताकि प्लास्टिक और कचरा उसमें डाला जा सके।

1500 घरों में बंटेंगे जूट के थैले

दूसरी ओर घरों में गंदे प्लास्टिक के संग्रहण के लिए अलग से थैलों का वितरण किया जा रहा है। प्रशासक सविता राठी ने बताया कि पंचायत क्षेत्र में कुल 15 सौ घरों में जूट का एक-एक थैला वितरीत किया जा रहा है। अब तक 3 सौ घरों में थैले पहुंचाये जा चुके हैं। फाउण्डेशन की ओर से आई टीम में मुंबई के अस्मिता शर्मा और मनोज कुमार भी इस कार्य में लगातार लगे हुए हैं। सविता राठी ने बताया कि अब गोपालपुरा के बच्चे, महिलाएं, युवाए ग्रामीण सभी लोग प्लास्टिक मुक्त होने के लिए पूर्णतया जागरूक हैं और हमारे इस मिशन में सहयोग की भूमिका निभा रहे हैं। गांव से निकलने वाले राहगीरों, गाड़ी चालकों और सवारियों द्वारा फेंके गए प्लास्टिक को उठाने में भी अब हमारे गांव के लोगों को कोई शर्म नहीं आतीए यह अपने आप में लोगों के मन में बड़ी भावना है।

टीईटी की अनिवार्यता समाप्त करने की मांग

निसं

श्रीमाधोपुर (नवयत्न)। राजस्थान संस्कृत शिक्षा विभागीय शिक्षक संघ के प्रदेशाध्यक्ष अशोक तिवाड़ी मऊ ने सेवारत शिक्षकों को सेवा में बने रहने एवं पदोन्नति हेतु शिक्षक पात्रता परीक्षा टीचर्स एलिजिबिलिटी टेस्ट की अनिवार्यता को अव्यवहारिक एवं अन्यायपूर्ण बताते हुए प्रधानमंत्री मोदी एवं केंद्रीय शिक्षा राज्यमंत्री जयन्त चौधरी को पत्र लिखकर टेट की अनिवार्यता को समाप्त करवाने की मांग की है। तिवाड़ी ने बताया कि सुप्रीम कोर्ट ने गत 1 सितंबर को जारी आदेशानुसार जिन टीचर्स की नौकरी को 5 साल से ज्यादा बचे हैं उन्हें निर्धारित अवधि में टेट क्वालिफाई करना जरूरी होगा। अगर ऐसा नहीं किया तो उन्हें इस्तीफा देना होगा या फिर कंपल्सरी रिटायरमेंट लेना होगा। वहीं जिनकी सर्विस में 5 साल ही बचे हैं। वो सेवा में तो बने रहेंगे लेकिन प्रमोशन के लिए यह टेस्ट क्वालीफाई करना जरूरी होगा। पत्र में उल्लेख किया गया है कि टेट की अनिवार्यता विद्यालयों में लंबे समय से अपनी सेवा दे रहे शिक्षक समुदाय की भावनाओं को आहत करने वाला है। इसे लेकर शिक्षकों में भारी रोष व असंतोष व्याप्त है। संगठन ने भारत सरकार से उच्चतम न्यायालय में प्रभावी पैरवी करवाकर सेवारत शिक्षकों के लिए टेट की अनिवार्यता समाप्त करवाने का निवेदन किया है।

प्रदेश महामंत्री दयाल सिंह काजला ने बताया कि पत्र की प्रति राज्य के मुख्यमंत्री एवं शिक्षामंत्री को भी भिजवायी गयी हैं।

रेलवे स्टेशन पर की साफ-सफाई

निसं

श्रीमाधोपुर (नवयत्न)। निरंकारी महाराज हरदेव सिंह की जयंती पर रविवार को स्वच्छ जल स्वच्छ मन मिशन के तहत श्रीमाधोपुर शहर में रैली निकाली गई और रेलवे स्टेशन श्रीमाधोपुर की सफाई की गई जिसमें सभी सेवादारों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। रेलवे स्टेशन अधीक्षक महेंद्र सिंह सामोता ने इस पुनीत कार्य की प्रशंसा की और सभी निरंकारी सेवादारों को धन्यवाद दिया। इस कार्यक्रम में भगवान रतनपुरा, सुशील सीकर, शुभम, गार्गी वर्मा, प्रेम देवी, अनूप, पूजा खंडेला, पूर्व पार्षद संदीप आदि उपस्थित रहे।

60 किलोग्राम दूषित चूरमा नष्ट करवाया

सुरेन्द्र शर्मा

सीकर (नवयत्न)। खाटू श्याम बाबा के लक्खी मेले में आने वाले श्रद्धालुओं को शुद्ध एवं ताजा खाद्य सामग्री मिले, इसके लिए चिकित्सा विभाग की ओर से लगातार खाद्य वस्तुओं की दुकानो का निरीक्षण किया जा रहा है। सीएमएचओ डॉ अशोक महरिया ने बताया कि खाद्य सुरक्षा एवं औषधि नियंत्रक आयुक्त डॉ टी शुभमंगला और जिला कलेक्टर मुकुल शर्मा के नेतृत्व में खाटू मेले में श्रद्धालुओ को शुद्ध खाद्य सामग्री मिले इसके लिए चिकित्सा विभाग की टीम द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है। खाद्य सुरक्षा अधिकारी महमूद अली, फूल सिंह बाजिया, सुरेश कुमार शर्मा और नन्द राम मीणा की टीम ने खाद्य सामग्री की दुकानों का निरीक्षण किया और दांता रोड खाटूश्यामजी स्थित अंतिमा स्वीट स्टोर के यहां दूषित मिले रिफाइंड सोयाबीन तेल में बने 60 किलोग्राम चूरमा को नष्ट करवाया। रविवार को विभिन्न खाद्य सामग्री की दुकानों से खाद्य वस्तुओं के 9 सैंपल लिए। सभी सैंपलों को खाद्य जन प्रयोगशाला जयपुर भेजा गया है। रिपोर्ट आने पर कार्रवाई की जाएगी। इस दौरान टीम ने सभी खाद्य वस्तुओं के व्यापारियों को एफएसएसएआई के नियमों का पालन करने था सामग्री को ढक कर रखने के लिए पाबंद किया।

बाबा हरदेव सिंह जयंती पर संत निरंकारी मंडल ने की सफाई

निसं

खेतड़ी नगर (नवयत्न)। केसीसी के सुभाष मार्केट स्थित जैन मंदिर में रविवार को बाबा हरदेव सिंह महाराज की जयंती के अवसर पर संत निरंकारी मंडल ने प्रोजेक्ट अमृत महोत्सव के तहत सफाई अभियान व रैली के मार्फत स्वच्छता का संदेश दिया। समाजसेवी हरिराम गुर्जर एवं संत निरंकारी मंडल के संयोजक घनश्यामदास मूखी ने जैन मंदिर के सामने रैली को झंडी दिखाकर रवाना किया। जैन मंदिर से प्रारंभ हुई रैली राजस्थान स्कूल, रामलीला मैदान, सब्जी मंडी, एसबीआई बैंक, सैंट्रल मार्केट, आजाद मार्केट, सीआइएसएफ कॉलोनी, गोठड़ा बस स्टैंड, मिस्त्री मार्केट होते हुए भरगड़ान की ढाणी स्थित निरंकारी संत्सग भवन पहुंच कर सफाई अभियान चलाया गया। महिला पुरूषों ने सफाई अभियान में बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया। स्थानिय मुखी घनश्याम दास ने बताया कि बाबा हरदेवसिंह महाराज का जन्मदिन पूरे भारतवर्ष में मनाया जा रहा है। उसी के उपलक्ष में स्वच्छ जल स्वच्छ मन, जल संरक्षण संदेश के मार्फत दिया। समय-समय पर निरंकारी मंडल के सभी सदस्य सफाई अभियान चलाते रहते है। रैली का संचालन क्षेत्रीय संचालक राधेश्याम जांगिड़ ने किया।

कार्यक्रम का समापन निरंकारी सत्संग भवन में सत्संग के आयोजन के साथ किया गया। इस मौके पर सेवा दल संचालक कृष्ण कुमार, संतोष शर्मा, राजपालसिंह, प्रहलाद पटले, धर्मपाल, हंसराज, लक्ष्मीनारायण, अनिल, निरंजन, विकास, सुनिता, कविता, भंवरी, गायत्री, संतोष, प्रेमलता, शकुंतला आदि सहित अनेक कार्यकर्ताओं ने भाग लिया।

गफलत व लापरवाही से कार चलाकर मारी टक्कर, मुकदमा दर्ज

निसं

रतनगढ़ (नवयत्न)। रतनगढ़ पुलिस थाने में सुरेश कुमार पुत्र पोकरराम जाति मेघवाल उम्र 36, निवासी चंगोई पीएस तारानगर जिला चुरू ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि मेरे पास एक क्रेटा गाडी नम्बर आर जे 45 मीएफ6374 है जिसको मै चलाता हूँ। मैं कॉलेज लेक्चरर के पद पर कार्यरत हूँ। मेरी डयुटी राजकीय महाविद्यालय बीदासर में है। मै 20 फरवरी को अपने घरेलु कार्य के लिए झुंझुनू गया हुआ था। झुंझुनू से मैं सुबह अपनी इयुटी बीदासर जाने के लिए जल्दी रवाना हुआ था। उस समय मेरे साथी सुनिल कुमार, सुरेन्द्र कुमार व विकास निवासीगण बुढाणिया सहित हम चारों वाया रतनगढ़ होकर बीदासर जा रहे थे। करीब सुबह 7:30 से 8.00 एएम पर फतेहपुर से रतनगढ़ रोड़ पर बीरमसर के पास पहुंचे तो सामने से एक स्कोडा गाडी का ड्राईबर अपनी गाडी को तेज गति व लापरवाही से चलाता हुजा आया हमारी साईड में चल रही गाडी के टक्कर मारी जिससे हमारे सभी को काफी चोटें आई व मेरी गाडी क्षतिग्रस्त हो गई। सड़क दुर्घटना की सुचना पाकर पुलिस आ गई। जिन्होने राहगीरों की मदद से अस्पताल पहुंचाया गया। अस्पताल से ईलाज पाकर छुटटी पाकर रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस ने दर्ज कर अनुसंधान राजेन्द्र सिंह सउनि के सुपुर्द किया।

श्याम भजन संध्या फागोत्सव में 15 फीट का सजाया विशाल दरबार

निसं

जयपुर (नवयत्न)। मानसरोवर के गोल्यावास के विनायक सरोवर में शनिवार देर शाम श्री श्याम भजन संध्या फागोत्सव का विशाल आयोजन किया गया। जिसमें सैकड़ों की संख्या में भक्तगणों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। इस अवसर पर 15 फीट का भव्य खाटू श्याम बाबा का दरबार सजाया गया। इस मौके पर समिति के अध्यक्ष नरेंद्र टेलर व समिति के सदस्यों ने कार्यक्रम आयोजन के पूरे परिवार का दुप्पटा पहना कर सम्मानित किया, इसी के साथ उन्हे मूवमेंटों प्रदान किया। कार्यक्रम

आयोजन कमला शर्मा ने बताया की प्रति वर्ष की भांति इस साल भी मानसरोवर के गोल्यावास के विनायक सरोवर मे श्री श्याम भजन संध्या व फागोत्सव का भव्य आयोजन किया गया। जिसमें श्री खाटू श्याम बाबा का 60 फीट का विशाल दरबार सजाया गया और अखंड ज्योत प्रज्वलित की गई। गणेश वंदना के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ और बाबा के समक्ष 56 भोग अर्पित किए गए। जिसके पश्चात विशाल भजन संध्या कार्यक्रम की शुरुआत हुई। भजन संध्या के प्रसिद्ध भजन कलाकार राहुल व्यास, सर्वेश दुबे, दीपिका वालेचा, विशाल कुशाल ने अपनी मधुर वाणी से श्रद्धालुओं मंत्र मुग्ध करते हुए नाचने पर मजबूर कर दिया। इस अवसर पर कार्यक्रम आयोजन कमला शर्मा ने अपने नृत्य से बाबा को रिझाने का प्रयास किया। कार्यक्रम के समापन पर श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरण किया गया। फागोत्सव में श्रीखाटू श्याम बाबा के दरबार में भक्तगणों पुष्प और इत्र की वर्षा की । जिससे बाबा का दरबार भीनी खुश्बू से महक उठा। भक्तों ने फागोत्सव फुलों की की होली खेली। फुलों की होली में गुलाब, गंदा, चमेली एमोगरे के फुलों का इस्तेमाल किया गया।

सुखी दाम्पत्य जीवन की कामना के साथ नव दंपत्तियों ने किया देहली वंदन

निसं

जयपुर (नवयत्न)। छोटी छोटी बातों को लेकर बढ़ रहे तलाक के प्रकरणों और परिवारों में बिखराव की चिंताओं के बीच रविवार को गोविंद देव जी मंदिर में एक प्रेरक कार्यक्रम आयोजित किया गया। पिछले दिनों परिणय सूत्र में बंधे एक दर्जन से अधिक नव दंपत्तियों को मंदिर में आमंत्रित कर सफल गृहस्थ जीवन पर प्रेरक उद्बोधन दिया गया। सुखी दाम्पत्य जीवन की मंगल कामना के उद्देश्य से रविवार को गोविंद देवजी मंदिर में देहली वंदन कर ठाकुर जी का आशीर्वाद प्राप्त किया। मंदिर महंत

अंजन कुमार गोस्वामी के सान्निध्य में नव दंपत्तियों को ठाकुर जी का चित्र, प्रसाद, दुपट्टा भेंट कर सुखी दाम्पत्य जीवन का आशीर्वाद प्रदान किया। कार्यक्रम की शुरुआत गोविंद देव जी मंदिर के सेवाधिकारी मानस गोस्वामी ने मां गायत्री, ठाकुर श्री राधा गोविंद देव जी, गुरुसत्ता के षोडशोपचार पूजन के साथ की। इसके बाद गायत्री महायज्ञ में विशिष्ट हवन सामग्री से आहुतियां प्रदान कर नव दंपत्तियों के सुख, समृद्धि एवं सौभाग्य की कामना की गई। गायत्री कचोलिया ने भारत की परिवार व्यवस्था ही रत्नों की खान है। प्रज्ञा गीत से पारिवारिक मूल्यों को अपनाने पर जोर दिया। वर्षा गुप्ता ने सुखी दाम्पत्य जीवन के सूत्र बताए। भक्त भूषण और वर्मा नीलम वर्मा ने गायत्री महायज्ञ संपन्न कराया। नव दंपति ने विवाह से जुड़ी प्रतिज्ञाओं का दोहरान किया।

गायत्री परिवार की ओर से गृहस्थ जीवन से संबंधित पुस्तकों का सेट भेंट किया गया। उपस्थित लोगों ने पुष्प वर्षा कर शुभकामना की। कार्यक्रम में नव दंपत्तियों के साथ अन्य श्रद्धालुओं ने भी यज्ञ में आहुतियां प्रदान कर धर्म लाभ अर्जित किया।

मोबाइल एम्बुलेंस ने 63 श्याम पदयात्रियों को दी चिकित्सा सेवा

निसं

श्रीमाधोपुर (नवयत्न)। इंडियन रेडक्रॉस सोसायटी एंव जीव सेवा समिति अजीतगढ़ के संयुक्त तत्वावधान में खाटू मेले में अजीतगढ़ से जालपाली मोड श्रीमाधोपुर तक चलाई जा रही मोबाइल एंबुलेंस सेवा की टीम पदयात्रियों की सेवा मे जुटी हुई है। रविवार को टीम ने 63 श्याम पदयात्रियों को प्राथमिक चिकित्सा मुहैया कराई। जानकारी देते हुये सोसायटी के तहसील प्रभारी कपिल मीणा ने बताया की मोबाइल एम्बुलेंस में शंकर लाल शर्मा, धर्मा सैन, महेश दीवान, दिनेश, गोविंद शर्मा, पवन टांक सेवाएं दे रहे है।

जय श्री श्याम के जयघोष के साथ निशान लेकर निकले हजारों श्रद्धालु

निसं

जयपुर (नवयत्न)। जय श्री श्याम के जयघोष और भक्ति भाव के साथ जयपुर के रामगंज स्थित श्री श्याम प्राचीन मंदिर से श्री श्याम सत्संग मंडल संस्था की 60वीं पदयात्रा रविवार को विधिवत पूजा.अर्चना के साथ खाटू श्याम मंदिर के लिए रवाना हुई। बैंडबाजा, भजन-कीर्तन और श्रद्धालुओं के उत्साह से पूरा क्षेत्र भक्तिमय माहौल में सराबोर नजर आया। कांवटियों का खुर्रा रामगंज स्थित मंदिर से महंत पंडित लोकेश मिश्रा के सानिध्य में पदयात्रा का शुभारंभ हुआ। इससे पूर्व आचार्य गिरधर शर्मा के आचार्यत्व में निशान पूजन हुआ। भजनामृत सत्संग में भक्तों ने भजनों के माध्यम से बाबा श्याम का गुणगान किया और वातावरण को भक्तिरस से ओतप्रोत कर दिया। संस्था के अध्यक्ष अशोक मिश्रा एवं कुंजबिहारी आभास वालों ने बताया

कि संत-महंतों, सिविल लाइंस विधायक गोपाल शर्मा, हवा महल विधायक बाल मुकुंदाचार्य ने बाबा श्याम की विधिवत आरती और पूजा-अर्चना कर पदयात्रा को रवाना किया।

पदयात्रा में हजारों की संख्या में श्याम भक्त शामिल हुए, जो हाथों में निशान लेकर भजन-कीर्तन और जयकारों के साथ आगे बढ़ते नजर आए। पदयात्रा के दौरान परकोटा क्षेत्र में विभिन्न स्थानों पर श्रद्धालुओं के लिए भोजन, जलपान एवं अन्य व्यवस्थाएं श्याम भक्तों द्वारा की गई। डीजे की धुन पर भक्त नाचते-गाते, इत्र वर्षा, पुष्प वर्षा और गुलाल उड़ाते हुए बाबा श्याम की भक्ति में लीन दिखाई दिए। रामगंज से चांदपोल तक पूरा मार्ग भक्तिमय बना रहा, जहां पदयात्री हाथों में बाबा का निशान लेकर भजन-कीर्तन करते हुए आगे बढ़े। यात्रा के दौरान चांदी के रथ में श्याम प्रभु को विराजमान कर चंवर डुलाते हुए श्रद्धालुओं ने जगह-जगह पूजा-अर्चना और आरती की। मार्ग में भक्तों ने बाबा के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। श्रद्धालुओं की आस्था और उत्साह को देखते हुए मार्ग में विशेष व्यवस्थाएं भी की गईं। पदयात्रा रामगंज से रवाना होकर झोटवाड़ा रोड, चौमूं पुलिया, भवानी निकेतन एवं ढहर के बालाजी होते हुए सीकर रोड की ओर अग्रसर हुई ।

यहां पूरा नजारा श्याम मय था। यात्रा का रात्रि विश्राम हरमाड़ा में हुआ। पदयात्रा चौमूं, गोविंदगढ़ एवं रींगस होते हुए 26 फरवरी को खाटू धाम पहुंचेगी। 27 फरवरी को खाटू धाम स्थित जयपुर वालों की धर्मशाला में फाग महोत्सव, छप्पन भोग एवं चंग-धमाल का भव्य आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर भक्ति संगीत, रंग-गुलाल और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से श्रद्धालु बाबा श्याम की भक्ति में सराबोर होंगे।

रविवार को अन्य स्थानों से भी पदयात्राएं रवाना हुई। पदयात्रा के आयोजन को लेकर श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखा गया। पूरे मार्ग में भक्तों की सेवा के लिए विभिन्न सामाजिक एवं धार्मिक संगठनों द्वारा व्यवस्थाएं की गई। श्याम भक्तों का मानना है कि बाबा श्याम की कृपा से यह पदयात्रा निरंतर सफलता के साथ संपन्न हो रही है और श्रद्धालुओं की आस्था दिन-प्रतिदिन बढ़ती जा रही है।

महा पंचायत को लेकर गांवों में जनसंपर्क

निसं

सुजानगढ़ (नवयत्न)। आगामी 27 फरवरी को उपखंड मुख्यालय पर आयोजित होने वाली किसान महा पंचायत को लेकर तैयारियां जोरों पर हैं। इस हेतु अखिल भारतीय किसान महासभा के पदाधिकारियों ने ग्रामीण क्षेत्रों में जनसंपर्क किया है। जिला संयुक्त सचिव कॉमरेड रामनारायण रूलाणियां ने बडाबर, मलसीसर आदि गांवो में किसानों को सम्बोधित करते हुए कहा कि किसानों की विभिन्न समस्याओं के समाधान के लिए यह महा पंचायत आयोजित हो रही है, इसलिए अधिक से अधिक ग्रामीण और किसान इसमें भाग लें, ताकि सरकार की नींद उड़ सके और जन समस्याओं का समाधान हो सके। इस दौरान किसान सभा के स्थानीय अध्यक्ष तेजपाल गोदारा, सागर मेघवाल, डीवाईएफआई अध्यक्ष दीनदयाल गुलेरिया आदि भी मौजूद रहे।

हरियाणा के पिंजौर से एकदम नजदीक हैं ये हिल स्टेशन, शिमला-मनाली कुछ नहीं हैं इनके सामने

इस समय देश के ज्यादातर हिस्सें में गर्मी का कहर बरपा रही है। ऐसे में लोग हिल स्टेशन पर छुट्टियां बिताते हैं। यहां गर्मी से राहत तो मिलती है, साथ ही सुकूं भी बहुत मिलता है। वैसे तो भारत में कई हिल स्टेशन हैं, जहां हर साल लोग घूमने जाते हैं। यह हिल स्टेशन ऑफबीट हिल स्टेशन की कैटेगरी में आते हैं। बता दें कि पिंजोर हिमाचल प्रदेश के काफी करीब है, यह जगह एक्सप्लोर करना किसी जन्नत से कम नहीं है।

कसौली

पिंजोर से 29 किमी दूर कसौली एक बहुत ही सुंदर जगह है और हिमाचल प्रदेश के सोलन में पड़ती है। ऊंचे पहाड़, घास के मैदान लोगों को भीड़ से दूर सुकून के कुछ पल देते हैं। यहां आप एडवेंचर राइडिंग और रोप वे ट्रेकिंग का मजा ले सकते हैं। इसके अलावा क्राइस्ट चर्च, सनसेट और मंकी पॉइंट देखने लायक जगह यहां एक हनुमान मंदिर भी है, जिसके बारे में कहा जाता है कि संजीवनी बूटी लाने के लिए हनुमान ने यहां अपना पैर रखा था।

सोलन

अगर आप भी पहाड़ घूमने का प्लान बना रहे हैं, तो आप एक बार सोलन नहीं घूमा, तो इस बार यहां का टूर प्लान जरुर करें। प्राकृतिक नजारों से भरपूर है सोलन। यहां पर एक प्राचीन मंदिर है और कई पर्यटक स्थल है। पिंजोर से 48 किमी दूरी पर बसा सोलन मार्च से नवंबर तक घूमने लायक होता है। यहां पर बॉन मठ, क्राइस्ट चर्च, डगशाई जेल म्यूजियम, कुथार का किला और गिलबर्ट ट्रेल पॉपुलर ट्रेवल डेस्टिनेशन हैं। यहां आप मशोबरा और कल्पा जैसी जगहों पर घूमने जा सकते हैं।

चैल

चैल हिमाचल प्रदेश में स्थित एक छोटा और सबसे खूबसूरत हिल स्टेशन है। पर्यटकों के लिए यह जगह जन्नत से कम नहीं है। चैल में एक जगह है साधुपुल। इस जगह की खास बात है कि यहां आप छोटी सी नदी के बीच में टेबल लगाकर नाश्ता कर सकता हूं। जरा सोचिए, बीच नदी में चाय नाश्ता का आनंद ले सकते हैं।

परवाणु

हिमाचल प्रदेश का परवाणु गर्मियों में घूमने के लिए अच्छी जगह है। यहां पर काफी शांति मिल जाएगी आपको। देखा जाए तो 760 मीटर की ऊंचाई पर बसा परवाणु हिमालय का प्रवेश द्वार है। यहां आकर आप टिम्बर ट्रेल, फलों के बाग, गुरुद्वारा नाडा साहिब, पिंजोर गार्डन, मंसा देवी मंदिर और कैक्टस गार्डन को देखना बिल्कुल भी मत भूलना। परवाणु जाने के लिए नजदीकी एयरपोर्ट चंडीगढ़ एयरपोर्ट है। वहीं अगर आप ट्रेन से जाना चाहते हैं, तो कालका से यहां के लिए आपको ट्रेन मिल सकती है।

मशोबरा

शायद ही आपने इस हिल स्टेशन का नाम नहीं सुना होगा। यह हिमालय की गोद में बसा एक खूबसूरत हिल स्टेशन है। पर्यटकों के लिए यह पैसा वसूल ट्रिप साबित होती है। पिंजोर से मशोबरा 102 किमी दूर है। यह जगह फलों के बगीचे, हरे-भरे ओक के जंगलों, मशोबरा झरने, धुंध से नहाई पहाडियों और कलकल करती नदियों के लिए जानी जाती है।

काठमांडू में पार्टनर के साथ इन जगहों को करें एक्सप्लोर, हसीन जन्नत से नहीं है कम

अगर आप भी कम बजट में कहीं घूमने का प्लान बना रहे हैं, तो काठमांडू आपके लिए बेस्ट ऑप्शन हो सकता है। यह नेपाल के खूबसूरत शहरों की लिस्ट में शामिल है। काठमांडू घूमना अन्य विदेशी लोकेशन के मुकाबले काफी सस्ता है। नेपाल में काठमांडू एक ऐसी जगह है, जहां पर पर्यटकों की भारी भीड़ लगी रहती है। यहां की फेमस जगहों पर घूमने के लिए लोग दूर-दूर से आते हैं। बता दें कि यह जगह इतनी ज्यादा सुंदर है कि आपका यहां पर घंटों रुकने का मन करेगा।

गार्डन ऑफ ड्रीम्स

गार्डन ऑफ ड्रीम्स को एक्सप्लोर कर आपको लगेगा कि आप सपनों के बगीचे में पहुंच गए हैं। क्योंकि यहां की खूबसूरती आपका मन मोह लोगी। यह काठमांडू का फेमस पर्यटन स्थल है। अगर आप घूमने के बाद थक गए हैं, तो आपको गार्डन ऑफ ड्रीम्स जरूर जाना चाहिए। यहां की ताजगी आपको तनाव से राहत देने का काम करेगी। बता दें कि इस गार्डन को 1920 के दशक में बनाया गया था। आप जैसे ही इस उद्यान में प्रवेश करेंगे, तो आपको हरी घास, फव्वारे और रंग-बिरंगे फूलों का नजारा देखने को मिलेगा। जो आपके मन को खुश कर देगा। बता दें कि काठमांडू एक व्यस्त शहर है। ऐसे में आप शांति और सुकून की तलाश में यहां आ सकते हैं।

लोकेशन- काठमांडू के केसर महल जिले में स्थित है।

तौदाहा झील

आपको बता दें कि काठमांडू से लगभग 6 किलोमीटर दक्षिण पश्चिम में तौदाहा झील है। यह शांत और मीठे पानी की झील है। यहां की दलदली भूमि और हरी-भरी पहाड़ियां पर्यटकों को खासी पसंद आती हैं। वहीं अगर आप प्रकृति प्रेमी हैं और फोटोग्राफी आदि का शौक रखते हैं, तो आपको यह जगह जरूर पसंद आएगी।

पशुपतिनाथ मंदिर

बागमती नदी के तट पर स्थित पशुपतिनाथ मंदिर पूरी दुनिया में फेमस है। यह मंदिर काठमांडू शहर के केंद्र से लगभग 5 किलोमीटर पूर्व में स्थित है। पशुपतिनाथ मंदिर तक आने के लिए आपको टैक्सी, बस या निजी वाहन लेना पड़ेगा।

स्वयंभू मंदिर

इसके अलावा आप यहां पर स्वयंभू मंदिर के भी दर्शन कर सकते हैं। यह काठमांडू शहर से करीब 2 किमी दूर वेस्ट में स्थित है। इस मंदिर को लोग बंदर मंदिर के नाम से भी जानते हैं। स्वयंभू मंदिर काठमांडू घाटी के ऊपर एक पहाड़ी पर स्थित है। आप बौद्धनाथ मंदिर के भी दर्शन कर सकते हैं।

पहली बार कर रहे हैं सोलो ट्रिप पर जाने का प्लान, तो उससे पहले जान लें यह जरूरी बातें

हम अपने जीवन हर काम कभी न कभी पहली बार करते हैं। जब हम पहली बार अकेले कोई काम करते हैं, तो हमारे मन में हिचकिचाहट और कई तरह के सवाल जरूर आते हैं। ऐसे ही अगर आप पहली बार किसी सोलो ट्रिप पर जाने का प्लान कर रहे हैं, तो जाहिर सी बात है कि आप सोच रहे होंगे कि क्या-क्या साथ लेकर जाना चाहिए और किन बातों के बारे में जानकारी होनी चाहिए, ताकि अकेले हम किसी मुसीबत में न फंस जाएं।

जगह के बारे में जानकारी लें

आप जिस जगह ट्रिप करने का प्लान बना रहे हैं, उसके बारे में पहले से थोड़ी जानकारी ले लें। जैसे कि वहां का यातायात कैसा है, वहां का कल्चर कैसा है, वहां का मौसम किस प्रकार का है आदि। अगर आपका कोई जानने वाला पहले वहां गया है, तो आप उनसे बात कर सकते हैं। उनकी ट्रिप से भी आपको काफी जानकारियां मिल जाएंगी और काफी टिप्स भी, जिससे आपका सफर आसान हो जाएगा।

प्रीबुकिंग करें

आप जहां जा रहे हैं, वहां रुकने के लिए पहले से ही होटल बुक कर लें, ताकि वहां जाकर आपको होटल ढूंढ़ने में समय न बर्बाद करना पड़े और आपको किसी असुविधा का सामना भी न करना पड़े। साथ ही, होटल बुक करते समय उसकी रेटिंग जरूर चेक करें, ताकि आपको वहां जाने के बाद कोई अफसोस न हो। ऐसे ही, बुकिंग का समय और तारीख भी ध्यान से चेक कर लें।

बजट बनाएं

ट्रिप प्लान करने से पहले यह जरूर जान लें कि वहां आने-जाने, रहने और खाने-पीने पर कितना खर्चा हो सकता है। साथ ही, वहां आप जो भी एक्टिविटी करने का प्लान बना रहे हैं, उन पर कितने पैसे खर्च हो सकते हैं। इन सभी का अनुमान लगाकर एक बजट तैयार करें और उससे कुछ पैसे ज्यादा ही रखें, ताकि जरूरत पड़ने पर आपको बगलें न झांकनी पड़े।

पैसों का सीक्रेट पॉकेट

अगर आप अकेले ट्रिप पर जा रहे हैं, तो कोशिश करें कि आप अनुमान से थोड़े ज्यादा पैसे अपने पास रखें। वैसे तो यह डिजीटल का जमाना है, लेकिन फिर आपको कभी भी कैश की जरूरत पड़ सकती है। इसलिए अपने पास थोड़ा कैश जरूर रखें। साथ ही, इस बात का भी ध्यान रखें कि आप अपने सारे पैसे एक साथ न रखें। जरूरत के लिए थोड़े पैसे अपने पर्स में रखें और बाकी के अपने बैग के किसी सीक्रेट पॉकेट में रखें या किसी ऐसी चीज में, जिसका कोई आसानी से अंदाजा न लगा पाए।

ओवर पैक न करें

अगर आप अकेले ट्रिप पर जा रहे हैं, तो जाहिर है कि आपको ही सारा सामान उठाना पड़ेगा। अब ऐसे में आप भी नहीं चाहेंगे कि आपकी सारी एनर्जी सामान उठाने में ही निकल जाए। इसलिए सिर्फ जरूरत भर का ही सामान पैक करें। कोशिश करें कि एक ही बैग में आपका सारा सामान आ जाए और उस बैग में पहिए लगे हों, ताकि उसे खींचकर एक जगह से दूसरी जगह लेकर जाना आसान हो जाए।

अमरनाथ पर जाने से पहले कर लें ये जरूरी तैयारियां

अगर आपका भी इस साल अमरनाथ यात्रा का प्लान है, जिसके लिए रजिस्ट्रेशन वगैरह की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है, तो आपको बता दें कि सिर्फ इतना कर लेना ही काफी नहीं, कुछ और भी जरूरी तैयारियां हैं, जिसकी इस यात्रा के दौरान आपको जरूरत पड़ेगी। अमरनाथ यात्रा कई तरह की चुनौतियों से भरी होती है, जिसके लिए अगर सही तैयारी नहीं की है, तो आप कई तरह की परेशानियों का शिकार हो सकते हैं।

अमरनाथ यात्रा से जुड़ी जरूरी तैयारियां

1. अमरनाथ यात्रा के दौरान बहुत पैदल चलना पड़ता है और अमरनाथ मंदिर की गुफा 12,756 फीट की ऊंचाई पर स्थित है। इतनी ऊंचाई तक पैदल चलना बहुत मुश्किल हो सकता है, तो इसके लिए रोजाना कम से कम 4 से 5 किलोमीटर पैदल चलने की आदत डालें। इसके साथ ही ब्रीदिंग एक्सरसाइजेस को भी अपने डेली रूटीन का हिस्सा बनाएं, जो यात्रा के दौरान आपको स्वस्थ बनाए रखने में मदद करेंगी।
2. बहुत ज्यादा ऊंचाई पर स्थित होने की वजह से यहां का मौसम पल- पल बदलता रहता है। कभी गर्मी, तो कभी बहुत तेज ठंड का एहसास होता है। यात्रा के दौरान सेहत खराब न हो, इसके लिए सही कपड़ों की पैकिंग बहुत जरूरी है। गर्म कपड़ों की पैकिंग करें। वाटरप्रूफ जैकेट कैरी करें, थर्मल्स के साथ वुलन मोजे, दस्ताने, टोपी, मफलर की भी जरूरी पैकिंग करें। यात्रा के लिए अच्छी क्वॉलिटी के शूज साथ रखें। रेनकोट और छतरी ले जाना बिल्कुल न भूलें।
3. अमरनाथ यात्रा के दौरान वैसे तो जगह-जगह लंगर की व्यवस्था होती है, जिसमें यात्रियों को हेल्दी खाना खिलाया जाता है, लेकिन फिर भी अपने साथ थोड़े- बहुत स्नैक्स जरूर कैरी करें। ऐसे स्नैक्स जिन्हें खाने से आपका पेट लंबे समय तक फुल रहे, साथ ही गैस, ब्लोटिंग या पेट से जुड़ी समस्याओं की भी संभावना न हो। भुने चने, मखाना, सीड्स, ड्राई फ्रूट्स, चॉकलेट अच्छे ऑप्शन हैं।

बेहद खास है वाराणसी का काशीराज काली मंदिर, देखने को मिलता है प्राचीन और आधुनिक कला का अनोखा मिश्रण

उत्तर प्रदेश के वाराणसी में स्थित काशीराज काली मंदिर 200 साल पुराना है। तत्कालीन काशी नरेश के परिवार ने इसका निर्माण करवाया था। बता दें, वास्तुकला के हिसाब से इस मंदिर को श्रद्धालु और कलाप्रेमी काफी पसंद करते हैं। मंदिर की वास्तुकला और कारीगरों द्वारा की गई शिल्पकारी वाकई यहां आने वालों को आश्चर्य से भर देती हैं।

भारत की विकसित पाषाण कला के सबूत : इस मंदिर का निर्माण पूरी तरह से पत्थर की मदद से किया गया है, जो रथ के आकार में बना है। मंदिर की दीवारों और खंभों पर तराशी गई पत्थर की पंखुड़ियां, घंटियां और अंगूठियां उस समय भी भारत की अत्यधिक विकसित पत्थर की कला के ठोस सबूत हैं। यहां बने डिजाइन से लेकर नक्काशी की बारीकी तक, सब कुछ इतना सटीक है कि यह कल्पना करना मुश्किल है कि उन्होंने उस समय जब तकनीक इतनी विकसित नहीं थी तब बिना किसी आधुनिक उपकरण के इसे कैसे तराशा होगा।

मंदिर के खंभे हैं बेहद खास : मंदिर को राजा की निजी संपत्ति कहा जाता है। काशी राज काली मंदिर नाम के साथ ही साथ इसे वाराणसी के गुप्त मंदिर के रूप में भी जाना जाता है। मंदिर परिसर का भारी नक्काशीदार द्वार उस युग की वास्तुकला कौशल की मिसाल है। द्वारों और मंदिर के खंभों पर शेर, हाथी,

नर्तकों, देवी-देवताओं को इतनी सुंदरता से उकेरा गया है कि यह कला देखते ही बनती है।

प्राचीन और आधुनिक कला का मिश्रण : मंदिर पर की गई कलाकारी को छिपा हुआ खजाना भी कहा जाता है। खास बात यह है कि इस कलाकृति को देखने पर ऐसा लगेगा कि ये कृतियां लकड़ी पर उकेरी गई हैं मंदिर के निर्माण के लेकिन जब इन्हें छूकर देखा जाए तो पता चलता है कि यह कलाकारी लकड़ी पर नहीं पत्थर पर की गई है। मंदिर का वास्तु प्राचीन और आधुनिक कला का मिश्रण है।

गर्भगृह में मौजूद है शिवलिंग

18वीं सदी के इस मां काली को समर्पित मंदिर के गर्भगृह में गौतमेश्वर शिवलिंग भी है। यह भी कहा जाता है कि उस समय यहां गौतम ऋषि का आश्रम था और उन्होंने यहां शिवलिंग की स्थापना करके उसकी पूजा अर्चना की। इस वजह से इस शिवलिंग को गौतमेश्वर शिवलिंग कहते हैं। मंदिर के निर्माण के पीछे मान्यता है कि तत्कालीन नरेश को इस जगह एक अलौकिक शक्ति का आभास हुआ था और उनके परिवार ने शक्ति के सम्मान में इस मंदिर का निर्माण यहां करवाया। नवरात्रि में नौ दिनों तक यहां बड़ी धूम-धाम से उत्सव का आयोजन किया जाता है।

निगम आयुक्त ने एनिमल बर्थ कंट्रोल रूम का किया निरीक्षण

निसं

जयपुर (नवयत्न)। नगर निगम जयपुर के आयुक्त डॉ. गौरव सैनी ने रविवार को जयसिंहपुरा खोर स्थित एनिमल बर्थ कंट्रोल एबीसी रूम का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने श्वानों के लिए की गई आवश्यक व्यवस्थाओं का बारीकी से अवलोकन किया तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त पशु प्रबंधन अनीता मित्तल, हवा महल जोन उपायुक्त सीमा चौधरी सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे। निरीक्षण के दौरान आयुक्त ने भवन की स्थिति का जायजा लेते हुए आवश्यक मरम्मत कार्य शीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश दिए। उन्होंने परिसर में स्थापित सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी चेक की और निगरानी व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने पर जोर दिया। डॉ. सैनी ने केंद्र में साफसफाई की व्यवस्था को सुदृढ़ रखने के निर्देश देते हुए कहा कि पशु कल्याण से जुड़े केंद्रों में स्वच्छता सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने शिकायत रजिस्टर का अवलोकन कर उसे नियमित रूप से अपडेट रखने के निर्देश दिए, ताकि प्राप्त शिकायतों का त्वरित निस्तारण सुनिश्चित किया जा सके। आयुक्त ने स्पष्ट निर्देश दिए कि किसी भी शिकायत कॉल पर तुरंत कार्रवाई की जाए और उसकी मॉनिटरिंग सुनिश्चित की जाए।

उन्होंने अधिकारियों को संवेदनशीलता एवं जिम्मेदारी के साथ कार्य करने की हिदायत देते हुए कहा कि आमजन की शिकायतों के समाधान में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

भक्तों ने खेली फुलों की होली

निसं

जयपुर (नवयत्न)। श्री प्रेमभाया मंडल समिति द्वारा आयोजित विभिन्न देवालयों के फागोत्सव के क्रम में मां भगवती सेवा समिति व श्री प्रेमभाया मण्डल समिति के द्वारा श्री मातेश्वर महादेव मंदिर, स्वर्ण पथ मानसरोवर में फागोत्सव मनाया गया जिसमें श्री प्रेमभाया सरकार व मां भगवती के नयनाभिराम श्रृंगार कर गुलाल अर्पित की गई । फागोत्सव में हरिमोहन गोयल ने आओ कन्हैया थांसै होली खेलालां, आज रंगाला थांको चीर थांकों चीर बनवारी सैनी ने होरी खेल रे रंगीलों श्याम आज होरी केशव शर्मा ने चलो वृषभानुदुलारी खेलत फाग मुरारी के साथ अन्य भक्तो ने भक्ति रस बरसाया । इस अवसर पर भक्तों ने भव्य फुलों की होली खेली।

173 लोगों की जांच कर 48 का किया ऑपरेशन के लिए चयन

निसं

सुजानगढ़ (नवयत्न)। द यंग्स क्लब ऑफसुजानगढ़ द्वारा रविवार को प्रतापसिंह सिंघी की स्मृति में भामाशाह कमलादेवी सिंघी के सौजन्य से नि:शुल्क नेत्र जांच व लैंस प्रत्यारोपण शिविर आयोजित किया गया। शिविर प्रभारी गिरधर शर्मा ने बताया कि इस शिविर में प्रख्यात नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ अपूर्व कोटिया द्वारा 173 नेत्र रोगियों की नि:शुल्क जांच कर 48 मोतियाबिंद के ऑपरेशन लायक रोगियों का चयन किया गया। चयनित रोगियों के नि:शुल्क लैंस प्रत्यारोपण डॉ मोहन जैन आई हॉस्पिटल सुजानगढ़ में डॉ अपूर्व कोटिया द्वारा नि:शुल्क किए जाएंगे। शिविर में रोगियों की नि:शुल्क जांच की गई व दवा दी गई। शिविर का डॉ एस के छाबड़ा, एड निरंजन सोनी, विजय कुमार गोयल, डॉ एस एन बजाज, सुमित पाटनी, डॉ एस एन जांगिड़, विनय भूतोडिया, भामाशाह कमलादेवी सिंघी, सुशीला देवी क्याल, हरि प्रसाद तोदी, महेश तंवर, राजकुमार क्याल, डॉ. घनश्याम नाथ कच्छावा, देवकिशन मालपानी, दानमल शर्मा ने मां सरस्वती व प्रतापसिंह सिंघी की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित कर विधिवत उद्घाटन किया। द यंग्स क्लब ट्रस्ट सभागार सुजानगढ़ में आयोजित हुए शिविर में चूरू एसीकर, नागौर जिलों के शहरी क्षेत्र के 92 ग्रामीण क्षेत्र के 81 रोगी लाभान्वित हुए। शिविर को सफल बनाने में बिमल भूतोडिया, हाजी मोहम्मद, प्रतीक चोटिया, अंकित चोटिया, कुणाल सोनी, दानमल भोजक, योगेंद्र-वीणा भोजक, रमन प्रजापत, श्रवण सांखला, रामचंद्र टेलर, अहमद लतीफ का सहयोग रहा।

एक किलोमीटर लम्बी चुनरी ओढ़ सरयु मुस्कराई

निसं

जयपुर (नवयत्न)। अयोध्या में जगद्गुरु रामानंद मंदिर के पाटोत्सव कार्यक्रम के अंतर्गत विशाल चुनरी महोत्सव का कार्यक्रम रखा गया। गुलाबी नगरी जयपुर के भक्त चंद्रमहेश झालानी की और से अयोध्या में सरयु माताजी को एक हजार मीटर की जयपुरी चुनरी समर्पित की गई। यह आयोजन दर्शन भवन अयोध्या धाम की पीठाधीश्वर डॉ. ममता शास्त्री के सानिध्य में अनेक संतों और भक्तों की उपस्थिति में चुनरी महोत्सव का कार्यक्रम धूम धाम से मनाया गया। इस अवसर पर दर्शन भवन अयोध्या से विशाल शोभा यात्रा के साथ गाजे-बाजे अनेक झाकियों के साथ अयोध्या के विभिन्न मार्गों से नया घाट सरयु जी के तट पर पहुंची। जहां विद्वान पंडितो द्वारा पूजा-अर्चना अर्चना की गई । इस मौके पर वैदिक विधार्थियो ने शंखनाद कर ध्वनियों से पूरे घाट को गुंजायमान कर दिया। आयोजन में पूरा वातावरण आस्था और आध्यात्मिक भक्तिमय हो गया। सेकड़ो भक्तों और संतों महंतों की उपस्थिति में सजी हुई इक्कीस नावो के द्वारा एक घाट से दूसरे घाट तक चुनरी को भक्तो द्वारा पकड़ते हुए सरयु मैया की जय घोष के साथ समर्पित की।

उसके उपरांत ग्यारहसों बत्तीयों से विधिवत सरयू माता की आरती की गई और सरयू माताजी से देश की सुख समृद्धि की कामना की गई। इस अवसर पर महामंडलेश्वर दीनबंधु दास महाराज, विप्रदास महाराज, पीठाधीश्वर डॉ. ममता शास्त्री, सुप्रीम कोर्ट अधिवक्ता अशोक मिश्रा, गोपाल चौधरी, अयोध्या नगरी के विधायक वेदप्रकाश गुप्ता सहित अन्य गणमान्यजन उपस्थित उपस्थित रहे।

राजेंद्र दास महाराज आज धोद आएंगे

निसं

लोसल (नवयत्न)। विश्व प्रसिद्ध संत राजेन्द्र दास महाराज सोमवार को सुबह नौ बजे लोसल के पास स्थित धोद आएंगे। वे अग्र पीठाधीश्वर एवं सलूक पीठाधीश्वर रैवासा वृंदावन है। महाराज अपने ओजस्वी संस्कृति के प्रचार-प्रसार के लिए विश्वभर में प्रसिद्ध है। जानकारी के अनुसार महाराज धोद में एक निजी कार्यक्रम में शामिल होने के लिए आ रहे हैं। यह कार्यक्रम निजी होने के बावजूद उनके आगमन को लेकर क्षेत्र के श्रृद्धालुओं में विशेष उत्साह देखा जा रहा है। बड़ी संख्या में भक्तजन उनके दर्शन और आशीर्वाद प्राप्त करने के लिए उत्सुक हैं।

नाम परिवर्तन

मेरी दसवीं की मार्कशीट में मेरा नाम चन्दन दर्ज है। अब मैंने मेरा नाम चन्दन से बदलकर चन्दन कुमार रख लिया है भविष्य में मुझे चन्दन कुमार के नाम से जाना व पहचाना जावें व मेरे नए पासपोर्ट में भी दर्ज किया जावें।

चन्दन कुमार पुत्र सुरेश कुमार
निवासी-वार्ड नं. 23, नागरपुरा मोहल्ला, झुंझुनू,
तहसील व जिला-झुंझुनू (राज.)

आम-सूचना

एतद् द्वारा मेरे अभिभाष्यगण श्रीराम पुत्र घनश्याम उम्र 51 वर्ष, रेशमा पत्नी श्रीराम उम्र 48 वर्ष निवासीगण ग्राम लाम्बा पुलिस थाना बगड़ जिला झुन्झुनू का पुत्र कुलदीप एवं पुत्रवधु पूनम जो कि मेरे अभिभाष्यगण के कहने में नहीं है ना ही वह मेरे उक्त मुवक्किल की सेवा सुश्रुषा करते है तथा अपनी मनमर्जी के कार्यों में लिप्त रहते है तथा नशे-पते के आदि है। मेरे उक्त मुवक्किलगण ने अपने पुत्र कुलदीप एवं पुत्रवधु पूनम को अपने घर एवं अपनी समस्त चल व अचल सम्पति से बेदखल कर दिया है आज के बाद मेरे मुवक्किलगण की चल व अचल सम्पति में उक्त कुलदीप व उसकी पत्नी पूनम का किसी प्रकार का कोई हक व अधिकार नहीं रहेगा और यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्थान द्वारा उक्त कुलदीप व उसकी पत्नी पूनम से किसी भी प्रकार का कोई लेनदेन या संव्यवहार करता है तो वह स्वयं जिम्मेदार होगा इसके लिए मेरे मुवक्किलगण का कोई उत्तरदायित्व नहीं होगा।

कमल शर्मा अधिवक्ता, सेशन कोर्ट,
परिसर झुन्झुनूं, मो. 9413885261

यूएई-नेपाल से जुड़े ऑनलाइन सट्टा गिरोह का पर्दाफाश

निसं

जयपुर (नवयत्न)। चित्रकूट थाना पुलिस ने ऑपरेशन वज्र प्रहार 2.0 अभियान के तहत ऑनलाइन गेमिंग सट्टा मॉड्यूल ध्वस्त करते हुए युएई व नेपाल आधारित संचालकों से संपर्क का खुलासा करते हुए विदेशी लिंकों की जांच की है। इस मामले का पर्दाफाश करते हुए पुलिस ने एक मुकदमा दर्ज कर पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस गिरफ्तार आरोपितों से ऑनलाईन गेमिग में शामिल अन्य लोगों के बारे में पूछताछ करने में जुटी है। पुलिस उपायुक्त पश्चिम हनुमान प्रसाद ने बताया कि चित्रकूट थाना पुलिस ने ऑपरेशन वज्र प्रहार 2.0 अभियान के तहत कार्रवाई करते हुए हुए ऑन लाइन सट्टा संचालन करने के आरोप में अनूप पारिक 22 निवासी परबतसर नागौर, अब्दुल करीब 25 निवासी नागौर, सिद्धार्थ पारीक 22 सुजानगढ़ जिला चुरू, श्रवण कुमार 25 निवासी डेगाना जिला नागौर व सुनील कुमार 26 निवासी नागौर को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से ऑनलाइन सट्टे के काम में लिए जाने कई उपकरण जब्त किए है। पुलिस ने पांचों आरोपियो के कब्जे से कुल 83 हजार रुपए नकद, 11 मोबाइल फोन, 1 लैपटॉप,1 आईपैड, 9 पासकुक एवं 12 एटीएम कार्ड समेत तीन क्रेडिट कार्ड जब्त किए है। पुलिस को आरोपियों के करोड़ो रुपए की साइबर ठगी एवं अवैध ऑन लाइन सट्टा संचालन से संबंधित डिजिटल साक्ष्य भी प्राप्त हुए है। पुलिस पूछताछ में सामने आया है कि गिरफ्तार आरोपियों के तार यूनाईटेड अरब अमरिटेस्ट व नेपाल से जुडे है। गिरोह के लोग ऑनलाइन प्लेटफॉर्म एवं एन्क्रिप्टेड के माध्यमों से सट्टा संचालन कर अवैध धनराशि का लेन.देन करते है। थानाधिकारी प्रभु सिंह ने बताया कि ऑनलाइन सट्टा संचालन करवाने वालों के खिलाफ ऑपरेशन वज्र प्रहार 2.0 अभियान के दौरान कार्रवाई की गई है। जिसमें पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने संगठित अंतरराष्ट्रीय ऑनलाइन सट्टा गिरोह को तकनीकी सर्विलांस, डिजिटल फॉरेंसिक विश्लेषण एवं वित्तीय लेन.देन की गहन जांच के आधार पर दबोचा है। इस कार्रवाई में अहम भूमिका कॉन्स्टेबल पूरणमल साइबर सेल की रहीं।

कार्यालय नगर पालिका खाटूश्यामजी जिला-सीकर (राज.)

क्रमांक:- न.पा.खाटू/भूमि/20261772 दिनांक :-18.02.2026

आपत्ति आमंत्रण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित व्यक्तियों के द्वारा राजस्व ग्राम खाटूश्यामजी में विभिन्न योजना में आवासीय/व्यावसायिक प्रयोजनार्थ पट्टे चाहने हेतु पालिका में आवेदन प्रस्तुत किये है, जिनका विधाण निम्न प्रकार है-

क्र.सं.	नाम आवेदक	भू.सं	क्षेत्रफल वर्गगज में	खसरा नंबर	प्रयोजन
01	सुनीता गुप्ता पत्नी डाल चन्द गुप्ता	11	100.00		
02	सुनीता गुप्ता पत्नी डाल चन्द गुप्ता	12	100.00		
03	सुनीता गुप्ता पत्नी डाल चन्द गुप्ता	09	100.00		
04	सुनीता गुप्ता पत्नी डाल चन्द गुप्ता	07	100.00		
05	डाल चन्द गुप्ता पुत्र श्री राम गुप्ता	72	87.78		
06	डाल चन्द गुप्ता पुत्र श्री राम गुप्ता	53	114.87		
07	सुनीता गुप्ता पत्नी डाल चन्द गुप्ता	10	100.00		
08	सुनीता गुप्ता पत्नी डाल चन्द गुप्ता	08	119.62		
09	प्रज्वल गुप्ता पुत्र डाल चन्द गुप्ता	56	100.00		
10	डाल चन्द गुप्ता पुत्र श्री राम गुप्ता	इनफॉर्मल कमर्शियल	265.46		
11	प्रज्वल गुप्ता पुत्र डाल चन्द गुप्ता	56	125.00		
12	प्रज्वल गुप्ता पुत्र डाल चन्द गुप्ता	55	100.00	खसरा नंबर	
13	विवेक अग्रवाल पुत्र ललित अग्रवाल	37	100.00	5799/775	
14	बाल कृष्ण अग्रवाल पुत्र गोवर्धन लाल अग्रवाल	18	100.00	5801/776	
15	बाल कृष्ण अग्रवाल पुत्र गोवर्धन लाल अग्रवाल	17	100.00		आवासीय
16	बाल कृष्ण अग्रवाल पुत्र गोवर्धन लाल अग्रवाल	16	109.97	मैसर्स भव्य	
17	मंजू देवी पत्नी श्याम सुन्दर कयाल	39	100.00	एन्क्लेव-3	
18	बरखा गुप्ता पत्नी ऋषिराज गुप्ता	29	100.00		
19	बरखा गुप्ता पत्नी ऋषिराज गुप्ता	31	100.00		
20	बरखा गुप्ता पत्नी ऋषिराज गुप्ता	30	100.00		
21	शशि देवी पत्नी विजय कुमार गुप्ता	45	150.00		
22	बाल कृष्ण अग्रवाल पुत्र गोवर्धन लाल अग्रवाल	19	100.00		
23	बाल कृष्ण अग्रवाल पुत्र गोवर्धन लाल अग्रवाल	41	100.00		
24	विवेक अग्रवाल पुत्र ललित अग्रवाल	38	100.00		
25	नरेन्द्र बाजिया पुत्र बीरबल बाजिया	50	150.00		
26	नरेन्द्र बाजिया पुत्र बीरबल बाजिया	64	100.00		
27	नरेन्द्र बाजिया पुत्र बीरबल बाजिया	66	100.00		
28	संजू भामू पुत्री भाना राम	76	100.00		
29	बरखा गुप्ता पत्नी ऋषिराज गुप्ता	32	100.00		
30	बरखा गुप्ता पत्नी ऋषिराज गुप्ता	33	125.00		
31	नरेन्द्र बाजिया पुत्र बीरबल बाजिया	63	119.62		
32	सुशीला पुत्री बीरबल बाजिया	85	100.00		
33	सुशीला पुत्री बीरबल बाजिया	86	94.77		
34	नरेन्द्र बाजिया पुत्र बीरबल बाजिया	57	100.00		
35	मनोहरी देवी पत्नी बीरबल बाजिया	79	100.00		
36	नरेन्द्र बाजिया पुत्र बीरबल बाजिया	65	100.00		
37	मनोहरी देवी पत्नी बीरबल बाजिया	78	100.00		
38	विमला देवी पत्नी ललित कुमार	48	150.00	खसरा नंबर	
39	मुन्नी देवी कयाल पत्नी रामावतार कयाल	21	100.00	5799/775	
40	मुन्नी देवी कयाल पत्नी रामावतार कयाल	69	100.00	5801/776	
41	आयुष्मान गुप्ता पुत्र विजय कुमार	34	125.00		
42	मुन्नी देवी कयाल पत्नी रामावतार कयाल423	25	14219.62		आवासीय
43	मुन्नी देवी कयाल पत्नी रामावतार कयाल	22	100.00	मैसर्स भव्य	
44	विकास अग्रवाल पुत्र ललित कुमार अग्रवाल	23	100.00	एन्क्लेव-3	
45	आयुष्मान गुप्ता पुत्र विजय कुमार	26	100.00		
46	आयुष्मान गुप्ता पुत्र विजय कुमार	28	100.00		
47	आयुष्मान गुप्ता पुत्र विजय कुमार	36	100.00		
48	चंचल अग्रवाल पुत्र ललित कुमार अग्रवाल	71	125.00		
49	विमला देवी पत्नी ललित कुमार	49	150.00		
50	बीरबल बाजिया पुत्र अमरा राम	75	100.00		
51	बीरबल बाजिया पुत्र अमरा राम	81	119.62		
52	विक्रम बाजिया पुत्र बीरबल सिंह	51	150.00		
53	आयुष्मान गुप्ता पुत्र विजय कुमार	27	100.00		
54	शशि देवी पत्नी विजय कुमार गुप्ता	44	112.50	खसरा नंबर	
55	शशि देवी पत्नी विजय कुमार गुप्ता	43	121.49	5799/775	
56	विकास अग्रवाल पुत्र ललित कुमार अग्रवाल	24	119.62	5801/776	
57	विक्रम बाजिया पुत्र बीरबल सिंह	59	100.00		
58	विक्रम बाजिया पुत्र बीरबल सिंह	58	100.00		आवासीय
59	मंजू देवी पत्नी श्याम सुन्दर कयाल	40	100.00	मैसर्स भव्य	
60	मंजू देवी पत्नी श्याम सुन्दर कयाल	47	150.00	एन्क्लेव-3	
61	मंजू देवी पत्नी श्याम सुन्दर कयाल	20	100.00		
62	आयुष्मान गुप्ता पुत्र विजय कुमार	35	100.00		
63	बाल कृष्ण अग्रवाल पुत्र गोवर्धन लाल अग्रवाल	42	119.62		
64	बाल कृष्ण अग्रवाल पुत्र गोवर्धन लाल अग्रवाल	46	150.00		
65	बाल कृष्ण अग्रवाल पुत्र गोवर्धन लाल अग्रवाल	70	100.00		
66	बीरबल बाजिया पुत्र अमरा राम	83	100.00		
67	बीरबल बाजिया पुत्र अमरा राम	84	100.00	खसरा नंबर	
68	राजेन्द्र कुमार खोखर पुत्र रामेश्वर लाल	74	127.41	5799/775	
69	राजेन्द्र कुमार खोखर पुत्र रामेश्वर लाल	73	70.75	5801/776	
70	बीरबल बाजिया पुत्र अमरा राम	82	100.00		आवासीय
71	मंजू देवी पत्नी विक्रम बाजिया	67	100.00	मैसर्स भव्य	
72	मनोहरी देवी पत्नी बीरबल बाजिया	80	119.62	एन्क्लेव-3	
73	मनोहरी देवी पत्नी बीरबल बाजिया	77	100.00		आवासीय
74	विक्रम बाजिया पुत्र बीरबल सिंह	62	119.62		
75	विक्रम बाजिया पुत्र बीरबल सिंह	61	100.00	खसरा नंबर	
76	विक्रम बाजिया पुत्र बीरबल सिंह	60	100.00	5799/775	
77	बीरबल बाजिया पुत्र अमरा राम	52	143.78	5801/776	
78	संजू भामू पुत्री भाना राम	68	100.00		
79	राजेन्द्र प्रसाद सैनी पुत्र शंकर लाल सैनी	C 141	123.56	मैसर्स भव्य	
80	राजेन्द्र प्रसाद सैनी पुत्र शंकर लाल सैनी	C 142	120.99	एन्क्लेव-3	
81	विपिन तनेजा पुत्र मेलु राम तनेजा	C 71	97.77	खसरा नंबर	
82	आशीष कुमावत पुत्र सुरेन्द्र कुमावत	C 21	97.77	5903/10	आवासीय
83	राकेश शांसी पुत्र कैलाश शांसी	C 111	97.77	5904/10	
84	संतोष देवी पत्नी शिवदान सिंह	C 103	97.77		
85	प्रहलाद सिंह हरितवाल पुत्र सूरजभान सिंह हरितवाल	C 120	97.77	मैसर्स श्याम सिटी योजना सी ब्लॉक	
86	शंकर सिंह शेखावत पुत्र मूल सिंह शेखावत	C 102	97.77		
87	रेणुका अरोड़ा पुत्री राम सिंह	C 185	97.77		
88	रामस्वरूप रैगर पुत्र गींगा राम रैगर	C 11	94.62	खसरा नम्बर	
89	रामस्वरूप रैगर पुत्र गींगा राम रैगर	C 12	100.00	5722/56,	
90	रवि कुमार शर्मा पुत्र अनिल शर्मा	B 5	100.00	5573/56,	
				5774/57 5775/57 5768/55 5769/55 5770/555571/55 गोकुल वाटिका	

अत: यदि किसी व्यक्ति को इस संबंध में कोई आपत्ति हो तो वह अपनी आपत्ति मय दस्तावेजों के साथ इस सूचना प्रकाशन की तिथि से 07 दिवस के भीतर-भीतर कार्यालय समय में अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष प्रस्तुत करे, निर्धारित समयावधि 07 दिवस प्रश्चात कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी तथा कार्यालय द्वारा आवेदकों के हक में नियमानुसार पट्टे जारी किये जाने संबंधी कार्यवाही की जायेगी।

अधिशाषी अधिकारी
नगरपालिका खाटूश्यामजी

फाग के रंग में रंगे श्रद्धालु

निसं

जयपुर (नवयत्न)। आस्था भक्ति के पावन केंद्र श्री अमरापुर स्थान जयपुर में रविवार को प्रेम प्रकाश मंडल के संस्थापक सदगुरु स्वामी टेऊराम जी महाराज का पावन मासिक जन्मोत्सव चौथ पर्व श्रद्धा भक्ति भाव से मनाया गया। मंगला दर्शन से ही श्रद्धालुओं का दर्शन दीदार को ताता लगा रहा। नित्य नियम प्रार्थना के पश्चात संतो द्वारा आचार्य श्री की महिमा का भजनों के माध्यम से गुणगान किया गया। महिला मंडल द्वारा सामूहिक चालीसा का पाठ, जन्म साखी पाठ, होली भजन, होली आई होली आई, मस्ती छाई मैं तो तुम संग होली खेलूंगी मै तो तुम संग भजन संकीर्तन तत्पश्चात सीकर से आए बाल मंडली द्वारा फाग के भजनों पर आकर्षक नृत्य प्रस्तुति दी गई। शुभम, काना, राधा जी ने आकर्षक नृत्य प्रस्तुति पे श्रद्धालु मोहित हो उठे। कार्यक्रम की श्रृंखला में संतो के द्वारा 'संतो के संग होली खेलो, पीओ प्रेम प्याला के भजनों के साथ साथ फुलों की होली खेली गई। फुलों की सुगंध इत्र की महक से श्री अमरापुर स्थान ब्रज धाम सम प्रतीत होने लगा। श्री मंदिर, समाधि स्थल पर ऋतु पुष्पों से भव्य श्रृंगार किया गया, मुख्य द्वारा पे आकर्षक रंगोली सजाई गई, आचार्य श्री सद्गुरु स्वामी टेऊँराम महाराज के विग्रह के समक्ष 56 व्यंजन थाल अर्पित किया गया। चौथ पर्व पर जयपुर सहित, सीकर, दिल्ली, चाकसू, चौमू, अलवर, अमदाबाद, किशनगढ़, अजमेर, आदि विभिन्न स्थानों से श्रद्धालुओं का दर्शन दीदार को आगमन हुआ। तत्पश्चात सभी भक्तों को भुजिया एवं मीठे घेवर प्रसाद वितरण किया गया।

फरार स्थाई वारंटी गिरफ्तार

निसं

जयपुर (नवयत्न)। सिंधी कैंप थाना पुलिस ने करीब चार साल से फरार चल रहे स्थायी वारंटी को मेरठ से गिरफ्तार किया है। पुलिस उपायुक्त पश्चिम हनुमान प्रसाद ने बताया कि वांछित अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत सिंधी कैंप थाना पुलिस ने करीब चार साल से फरार चल रहे स्थायी वारंटी विशाल गिरि निवासी रोहटा जिला मेरठ उत्तर प्रदेश को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार आरोपी विशाल गिरि पिछले चार वर्षों से फरार चल रहा था और उसके खिलाफ स्थायी वारंट जारी था। आरोपी पर एफसीआई में नौकरी दिलाने का झांसा देकर करीब दो दर्जन युवकों से लगभग एक करोड़ रुपए की धोखाधड़ी करने का आरोप है। वारदात के बाद से वह लगातार ठिकाने बदलकर पुलिस से बचता फिर रहा था। हाल ही में उसके मेरठ आने की सूचना मिलने पर पुलिस टीम ने सतर्कता बरतते हुए लोकेशन ट्रैक की और कार्रवाई कर उसे दबोच लिया। बताया जा रहा है कि आरोपी वहां से नैनीताल भागने की फिराक में था। लेकिन पुलिस टीम की तत्परता से उसे गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपी के खिलाफ विभिन्न थानों में धोखाधड़ी और आईटी एक्ट सहित अन्य धाराओं में मामले दर्ज हैं। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है और मामले में अन्य संभावित कड़ियों की भी जांच की जा रही है।

दो दिवसीय बैडमिंटन प्रतियोगिता का समापन

हर्ष सोनी

झुंझुनू (नवयत्न)। राजस्थान अधीनस्थ कंप्यूटर कर्मचारी संघ जिला इकाई झुंझुनू के तत्वावधान में सूचना प्रौद्योगिकी और संचार विभाग के कार्मिकों के लिए दो दिवसीय बैडमिंटन प्रतियोगिता का समापन रविवार को स्वर्ण जयंती स्टेडियम में हुआ। जिला अध्यक्ष वेद प्रकाश नुनिया ने बताया कि जिले में पद स्थापित आईटी कार्मिकों में आपसी सौहार्द, टीम भावना एवं शारीरिक-मानसिक स्वास्थ्य को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से बैडमिंटन प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। इस प्रतियोगिता के समापन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डीओआईटी संयुक्त निदेशक अनीता कुमारी, साइबर सीआई गोपाल सिंह जांगिड़, जिला खेल अधिकारी राजेश ओला एवं प्रतियोगिता प्रायोजक यूनिक वनटच सिस्टम के राज्य समन्वयक योगेंद्र सिहाग रहे। पुरुष एकल वर्ग के फाइनल में कपिल झाझड़िया ने राकेश डांगी को 23-21, 21-15 से हराकर विजेता बने। महिला एकल वर्ग के फाइनल में मीनू वर्मा ने मनोज कालेर को 15-5, 15-6 से हराकर विजेता बनी। पुरुष युगल फाइनल में कपिल झाझडिया और हेमंत पूनिया की जोड़ी ने राजेश जांगिड़ और राकेश डांगी की जोड़ी को 21-15, 21-8 से हरा कर युगल वर्ग में विजय रहे। मिश्रित वर्ग के फाइनल में कपिल झाझड़िया और सुमन कुमारी की जोड़ी ने राकेश डांगी और मीनू वर्मा की जोड़ी को 21-14, 18-21, 21-15 से हराया। महिला युगल वर्ग में मीनू कुमारी और अनिता कुमारी विजय रहे।

लोककला के मंच पर छाई फागुन की मस्ती

निसं

जयपुर (नवयत्न)। संस्कार भारती, जयपुर, जवाहर कला केन्द्र एवं पर्यटन, कला संस्कृति विभाग राजस्थान सरकार की सहभागिता में राजस्थान के लोक रंगों का सबसे बड़ा उत्सव श्लोक कला संगम 2026 राजस्थान रै लोकरंग उजास का जवाहर कला केन्द्र जयपुर में रविवार को रंगारंग समापन हुआ। तीन दिन तक चले इस उत्सव में प्रदेश के विभिन्न लोक संस्कृतियों की झलक देखने को मिली। समारोह के अंतिम दिन रविवार शाम को फाल्गुन माह की धमाल मंच पर साकार हुई। कार्यक्रम में राजकुमार शर्मा एंड पार्टी ने धमाल की प्रस्तुति देकर सभी को मस्ती के रंग में सराबोर कर दिया। शेखावाटी से आई इस पार्टी ने गींदड के जरिए भी रंग जमाया और खूब आनन्द बरसाया। इसके बाद हुई हेला ख्याल दंगल की प्रस्तुति ने दर्शकों को मन मोह लिया। अंबालाल व गणेश मंडल की इस प्रस्तुति ने खूब वाहवाही बटोरी। धनपत भोपा ने फड़ वाचन प्रस्तुति देकर इस प्राचीन लोककला को फिर से जीवंत किया। तेरहताली की प्रस्तुति में प्रो. डॉ. रीमा गोयल के निर्देशन व कोरियोग्राफी में उनकी टीम ने भरपूर तालियां बटोंरी। इस प्रस्तुति में शौर्य, सौम्यता व संतुलन ने सभी को प्रभावित किया। आचुकी सागर एंड पार्टी ने भवाई की प्रस्तुति में संतुलन की अनोखा सामंजस्य प्रस्तुत किया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि के तौर पर पर्यटन मंत्री दीया कुमारी मौजूद रहीं। उन्होंने आयोजन के लिए संस्कार भारती की प्रशंसा की, साथ ही आश्वासन दिया कि इस तरह के आयोजनों को सरकार की ओर से सहयोग मिलता रहेगा। उन्होंने कहा कि आयोजन में लोक कलाओं के संगम को देखकर गर्व की अनुभूति हुई है। हम यहां से लोक कला की प्रगति का संकल्प लेकर जाएंगे। उन्होंने लोक कला प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया। संस्कार भारती जयपुर प्रांत की अध्यक्ष डॉण् मधु भट्ट तैलंग ने लोक कला संगम के सभी प्रबंधकों को सम्मानित कर आभार व्यक्त किया। महामंत्री बनवारी लाल चेजारा भी मौजूद रहे। समारोह के तहत कृष्णायन सभागार में रविवार को लोक चौपाल के पहले सत्र में लोक देवता और सामाजिक समरसता पर चर्चा की गई। इस सत्र में श्री राजवीर चलकोई ने कहा कि फड़ और भोपा समझा गए हैं कि लोक कला क्या होती है, अब पीपीटी बनानी पड़ती है किसी को समझाने के लिए। डॉ. ज्योति भारती गोस्वामी ने कहा कि हमने लोक देवताओं को समझा है, देखा है, उनकी कहानियां सुनी हैं, मैं इनमें ज्यादा विश्वास करती हूं। श्री रामू रामदेव ने कहा कि सामाजिक समरसता की सबसे बड़ी देन हैं लोक देवता। सत्र संचालक के रूप में अजय मिश्रा भी मौजूद रहे। मंच संचालन निधीश गोयल ने किया। दूसरे सत्र में लोक का अन्त: बाह्य सांस्कृतिक स्वरूप पारिवारिक मूल्यों का आधार विषय पर मंथन किया गया। इस सत्र में पं. आलोक भट्ट ने बताया कि लोक हमारे बुजुर्गों की अनुभूति व अनुभव है। प्रो. मदन सिंह राठौड़ ने लोक को भारत की आत्मा बताया। डॉ. शिवदान सिंह ने विभिन्न उदाहरणों व प्रसंगों के जरिए लोक पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि पीढ़ियों के जरिए जो ज्ञान चला आ रहा है, वह असली लोक है। सत्र संचालक के रूप में अमित कल्ला भी मौजूद रहे। मंच संचालन चंद्रदीप हाड़ा ने किया। जवाहर कला केंद्र में लोक कला संगम समारोह के अंतर्गत तीन दिन तक लोक कला चर्चा का विषय बनी रही। मंच पर 24 से अधिक प्रस्तुतियों ने दर्शकों को लोक कलाओं से रूबरू करवाया।

तीन दिन में लोक कला पर आधारित छह चर्चाओं में पच्चीस विशेषज्ञों ने लोक कला पर मंथन किया। लोक कला प्रदर्शनी आयोजित की गई, जिसने लोक कलाओं की विभिन्न स्वरूपों को प्रदर्शित किया। चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित की गई। साथ ही स्वादिष्ट व्यंजनों का आनंद भी लिया।

नि:शुल्क चिकित्सा शिविर का शुभारम्भ

निसं

रींगस (नवयत्न)। रोटरी क्लब रींगस द्वारा श्री खाटू श्याम फाल्गुन मेला 2026 में निशुल्क चिकित्सा शिविर का शुभारंभ 22 फरवरी 2026 को किया गया। रोटरी अध्यक्ष अर्जुन सिंह लांबा ने बताया कि रोटरी क्लब रींगस द्वारा प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी श्री श्याम फाल्गुन मेले में पधारे श्रद्धालुओं के लिए नि:शुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन 22 फरवरी से 28 फरवरी 2026 तक किया जा रहा है। शिविर में एलोपैथिक चिकित्सा, होम्योपैथिक चिकित्सा, फिजियोथैरेपी चिकित्सा सहित सभी प्रकार की चिकित्सीय सुविधाएं उपलब्ध करवाई जाएगी। शिविर का शुभारंभ डीवाईएसपी रामावतार सिंह ताखर, सह प्रांतपाल डॉक्टर भंवर सिंह ताखर, डॉ अजय सक्सेना, रघुनाथ जाट, अर्जुन सिंह लांबा, सुभाष बिजारणियां, डॉ विनोद गुप्ता, मुकेश कुमार शर्मा, सरदार मान, सन्तोष अग्रवाल ने बाबा श्याम की प्रतिमा के समक्ष द्वीप प्रज्वलित कर किया। शिविर में जेएनयू हॉस्पिटल जयपुर की टीम, सीसीए शिक्षण संस्थान के स्काउट प्रभारी झाबर निठारवाल, असलम खान, जगदीश प्रसाद सहित स्काउट के बच्चे सेवाएं दे रहे हैं।

विधायक भाम्बू का जनसेवा दिवस, विकास व सम्मान के कार्यक्रमों में रही सक्रिय सहभागिता

जयशंकर जांगिड़

झुंझुनू (नवयत्न)। विधायक राजेंद्र भाम्बू ने विधानसभा क्षेत्र में आयोजित विभिन्न जनहित एवं विकासात्मक कार्यक्रमों में सहभागिता कर सक्रिय जनप्रतिनिधि होने का परिचय दिया। विधायक भाम्बू ने बिजेंद्र हटवाल के नव-प्रतिष्ठान का उद्घाटन किया।

इसके पश्चात प्यारे लाल ढुकिया के नव-प्रतिष्ठान का भी विधिवत उद्घाटन कर क्षेत्र में व्यापारिक गतिविधियों को प्रोत्साहन देने का संदेश दिया। इसके बाद विधायक भाम्बू वीर झुझार सिंह की प्रतिमा स्थापना के 18वें वर्ष के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए, जहां प्रतिभा सम्मान समारोह के अंतर्गत झुंझुनू के विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले प्रतिभाशाली नागरिकों को सम्मानित किया गया। विधायक ने लावरेश्वर महादेव मंदिर परिसर में आयोजित तीन दिवसीय नि:शुल्क दिव्यांग उपकरण वितरण कार्यक्रम में भाग लेते हुए दिव्यांगजनों को सहायक उपकरण वितरित किए। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि दिव्यांगजनों का सशक्तिकरण राज्य सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है और उनके आत्मनिर्भर जीवन के लिए सरकार निरंतर कार्य कर रही है। विधायक राजेंद्र भाम्बू ने एफसीआई गोदाम से हवाई पट्टी तक लगभग 2 करोड़ 45 लाख रुपये की लागत से निर्मित होने वाली सीसी सड़क का शिलान्यास किया। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य सहित अन्य आधारभूत सुविधाओं का सुदृढ़ीकरण उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। इन सभी कार्यक्रमों में झुंझुनू के गणमान्य नागरिक, जनप्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे।

राज्य स्तरीय कार्यक्रम में भाग लेगी सविता राठी

निसं

सुजानगढ़ (नवयत्न)। निकटवर्ती ग्राम पंचायत गोपालपुरा की प्रशासक सविता राठी को जयपुर की होटल मेरियट में आयोजित होने वाली ग्राम संसद राजस्थान चैप्टर कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि बनने का मौका मिला है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राजस्थान के राज्यपाल महामहिम हरिभाऊ बागड़े, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा होंगे। विशिष्ट अतिथि के रूप में केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह, केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान, केंद्रीय मंत्री भागीरथ चौधरी, कृषि मंत्री किरोड़ीलाल मीणा, समाज कल्याण मंत्री अविनाश गहलोत आदि मौजूद रहेंगे। कार्यक्रम में जमीनी स्तर पर बेहतर नीतिगत ढांचे एवं नेतृत्व को बढ़ावा एवं पंचायत शासन को सुदृढ़ करने के लिए सार्थक विचार विमर्श, ज्ञान साझाकरण सत्र एवं समाधान उन्मुख संवाद जैसी गतिविधियां संपादित की जाएगी। ताकि सरकारी निकाय, कॉरपोरेट्स एवं नागरिकों के बीच मजबूत साझेदारी निभाई जा सके। प्रशासक सविता राठी ने कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम का हिस्सा विशिष्ट अतिथि के रूप में बनना मेरे लिए सौभाग्य की बात है।

घुलने लगा फिजा में बाबा श्याम का केसरिया रंग

निसं

रींगस (नवयत्न)। खाटूश्यामजी के वार्षिक लक्खी मेले का रंग घिरे घिरे परवान चढ़ने लगा है। हाथो में केसरिया निशान चंग की थाप पर भक्त झुमते गाते लखदातार के दरबार में पहुंच रहे है। रंग बिरंगे निशानों व पोशाको से शेखावाटी मिनी कुभ सा नजर आने लगा है। गुलाल, इत्र अबीर गुलाब उड़ाते श्रद्धालु से शहर की सडके भी रगीन हो रही है। वही प्राचीन श्याम मंदिर की भव्यता सजावट के बाद निखर गई है। प्राचीन श्याम मंदिर जाने वाले रास्ते को विद्युत रोशनी से चमकाया गया है। वही ऑवर ब्रिज के खबो पर तिरंगा रोशनी भक्तो का स्वागत करती नजर आ रही है। सुबह से ही भक्त नंगे पाव चंग की थाप पर प्राचीन श्याम मंदिर के दर्शन कर खाटूश्याजी के लिए रवाना हो गये।

पदयात्रियों से रींगस खाटूश्याजी मार्ग निशानो से अटना शुरू हो गया है। महिलाए भी श्याम नाम का साफा सिर पर बांध कर हाथो में केसरिया निशान थाम कर फिजा को भक्तिमय कर रही है। महिलाए लखदातार के भजन गाकर अन्य लोगों को भी बरबस अपनी ओर आकर्षित कर रही है। रविवार होने से सड़कों पर भक्तो की अच्छी खासी भीड़ रही।

रंग, रस और राग से सजी फागणिया शाम गाडिया टाउन हॉल में आज

संजय सोनी

झुंझुनू (नवयत्न)। चेन्नई प्रवासी झुंझुनू निवासी समाजसेवी उद्योगपति गजानन्द मोदी के सौजन्य से झुंझुनू शहर एक बार फिर फागुनी रंगों में रंगने जा रहा है। होली पर्व के उपलक्ष्य में आज सोमवार को रात्रि 8 बजे से गाडिया टाउन हॉल में भव्य सांस्कृतिक संध्या पचरंग फागण फुहार का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम में फाल्गुन माह की पारंपरिक लोकधुनों, चंग-ढप की थाप और बांसुरी की मधुर तान पर होली के रंग बिखरेंगे। मंच पर प्रसिद्ध लोकगायक ओमी राजस्थानी अपनी मनमोहक प्रस्तुतियों से श्रोताओं को फागुनी रस में सराबोर करेंगे। उनके साथ अन्य कलाकार भी लोकगीतों और होली के पारंपरिक तरानों की प्रस्तुति देंगे,

जिससे पूरा वातावरण उल्लासमय होने की संभावना है। समाजसेवी मोदी विगत कई वर्षों से होली के अवसर पर चेन्नई से झुंझुनू आकर अपने शहरवासियों के बीच इस प्रकार के सांस्कृतिक आयोजनों के माध्यम से प्रेम, भाइचारे और परंपराओं को सहेजने का कार्य करते रहे हैं। उनका उद्देश्य प्रवासी होते हुए भी अपनी मिट्टी से जुड़े रहना और शहर के लोगों को सांस्कृतिक एकजुटता का मंच प्रदान करना है। हर वर्ष की तरह इस बार भी कार्यक्रम को लेकर शहरवासियों में खासा उत्साह देखा जा रहा है।

फागणिया कार्यक्रम देखने के लिए लोगों में बेसब्री है। आयोजकों की ओर से अतिथियों एवं कलाकारों की विशेष मेजबानी की व्यवस्था की गई है ताकि आगंतुकों को पारंपरिक आतिथ्य का अनुभव मिल सके। आशा व्यक्त की जा रही है कि पचरंग फागण फुहार गत वर्षों की भांति इस बार भी सफलता के नए आयाम स्थापित करेगा।

रंग, रस और राग से सजी यह शाम झुंझुनू के सांस्कृतिक इतिहास में एक और यादगार अध्याय जोड़ेगी, जहां होली के रंगों के साथ आपसी प्रेम और सद्भाव का संदेश भी गूंजेगा।

जयपुरिया इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट में इंटरनेशनल यूथ कॉफ्रेंस आयोजित

निसं

जयपुर (नवयत्न)। जयपुरिया इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट ने यूथ फॉर इंडिया /2047 श्रृंखला के अंतर्गत आयोजित अपने 13वें इंटरनेशनल यूथ कॉन्फ्रेंस का सफल समापन किया। सम्मेलन का विषय था एआई डिसरप्शन एंड ऑपर्च्युनिटीज: प्रिपेरिंग यूथ फॉर ग्लोबल चैलेंजेज। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में हरियाणा राज्य प्रभारी, भाजपा तथा भाजपा राजस्थान के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं आमेर विधानसभा के पूर्व विधायक डॉ. सतीश पूनिया उपस्थित रहे। डॉ. प्रभात पंकज ने स्वागत संबोधन में कहा कि रोजगार योग्यता केवल प्लेसमेंट का आँकड़ा नहीं हैय यह तैयारी का मापदंड है। ऐसे सम्मेलन छात्रों को यह समझने का अवसर देते हैं कि वास्तविक परिस्थितियों में संगठन क्षमता, अनुकूलन शीलता और निर्णय लेने की योग्यता का मूल्यांकन कैसे करते हैं। मुख्य अतिथि डॉ. सतीश पूनिया ने कहा कि आज के भारतीय विद्यार्थियों को ऐसे विश्व के लिए तैयार होना होगा जो दक्षता के साथ-साथ चरित्र की भी अपेक्षा करेगा। ऐसे अवसर युवा मनों के सीखने, जिम्मेदारी और नेतृत्व के दृष्टिकोण को प्रभावित करते हैं। इसके पश्चात आईपीएस अधिकारी एवं रुल्स टू रूल रूएंसिएंट हिस्ट्री, मॉडर्न लेसंस के लेखक प्रशांत आनंद द्वारा विशेष नेतृत्व सत्र आयोजित किया गया। उद्घाटन सत्र के दौरान, तीन प्रकाशनों का विमोचन किया गया जिनमें अटलांटिस प्रेस स्प्रिंगर की यूथ फॉर इंडिया/2047 सीरीज में 13वें इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस की प्रोसीडिंग्स, एक्सेल पब्लिशर की एआई डिसरप्शन एंड अपॉर्चुनिटीज: प्रिपेयरिंग यूथ फॉर ग्लोबल चैलेंजेस, और 13वीं आईवाईसी बुक ऑफ एब्सट्रैक्ट्स शामिल थी।

मोक्ष कल्याणक के बाद हुआ विश्व शांति महायज्ञ

निसं

जयपुर (नवयत्न)। श्री दिगंबर जैन अतिशय क्षेत्र पदमपुरा में नव निर्मित खड़गासन चौबीसी जिन प्रतिमाओं के पंचकल्याणक एवं नव निर्मित पद्मबल्लभ शिखर पर कलश एवं ध्वजारोहण का पांच दिवसीय भव्य महा-महोत्सव का मोक्ष कल्याणक की क्रियाओं एवं विश्व शांति महायज्ञ अनुष्ठान के साथ समापन हुआ। इस मौके पर 121 फीट के पद्मबल्लभ शिखर पर कलश एवं ध्वजारोहण के बाद मंदिर परिसर में 111 फीट की धर्म ध्वजा लगाई गई। अन्त में विशाल रथयात्रा के साथ पांच दिवसीय पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव सम्पन्न हुआ। अध्यक्ष सुधीर कुमार जैन एवं महामंत्री हेमन्त सोगानी ने बताया कि वात्सल्य वारिधि पंचम पट्टाचार्य वर्धमानसागर महाराज, गणिनी आर्यिका सरस्वती माताजी एवं गणिनी आर्यिका स्वस्तिभूषण माताजी ससंघ के सानिध्य एवं

प्रतिष्ठाचार्य पं. हंसमुख जैन धरियावद के निर्देशन में मोक्ष कल्याणक के रविवार को तहत प्रात: साढ़े 6 बजे से नित्य मह अभिषेक, शांतिधारा के बाद में भक्ति भाव से जिनार्चना की गई। इस मौके पर आयोजित धर्म सभा में समाज श्रेष्ठीजनो द्वारा चित्र अनावरण, दीप प्रज्जवलन के बाद आचार्य वर्धमान सागर महाराज के पाद पक्षालन किए गए। मुनि प्रभव सागर महाराज एवं गणिनी आर्यिका सरस्वती माताजी एवं गणिनी आर्यिका स्वस्तिभूषण माताजी ने मोक्ष कल्याणक की क्रियाओं पर प्रकाश डाला। मीडिया प्रभारी विनोद जैन कोटखावदा ने बताया की प्रात: मोक्ष कल्याणक क्रिया विधि के बाद भगवान आदिनाथ का जयकारों के बीच निर्वाण लाडू चढाया गया । भगवान के नख एवं केश ले जाने के लिए अग्नि कुमार देवों का आगमन हुआ। अग्नि देव द्वारा सत्कार विधि उपरांत मोक्ष कल्याणक पूजा की गई। विश्व शांति महायज्ञ अनुष्ठान में मंत्रोच्चार के साथ विविध आहुतियों सहित पूर्णाहुति दी गई। इससे मौके पर आचार्य वर्धमान सागर महाराज के सानिध्य में 121 वीं दीक्षा के रूप में जयपुर मूर्ति कला कालोनी निवासी दीक्षार्थी मुन्ना लाल टकसाली को विधि विधान के साथ जैनेश्वरी दीक्षा प्रदान की गई। दीक्षा उपरांत उनका नाम मुनि गुणोदया सागर नाम रखा गया। इस दौरान पूरा पाण्डाल मुनि गुणोदया सागर के जयकारों से गुंजायमान हो उठा।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक सपना शर्मा के लिए उदय प्रिंटर्स 43-ए, माली कॉलोनी, चांदपोल के बाहर जयपुर में मुद्रित व प्लॉट नं. 88, तहसील के पीछे दांतारामगढ़, सीकर (राज.) से प्रकाशित संपादक सपना शर्मा
मो. 9783931239 मुख्य कार्यालय-जी-4, मान नगर, नगर परिषद के सामने, झुंझुनू, 01592-297190